राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,23 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-272 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई में 60 मंजिला रिहायशी इमारत में लगी भीषण आग जान बचाने के लिए छलांग लगाने वाले युवक की मौत

क्रांति समय ,सूरत

मुंबई,शुक्रवार दोपहर मुंबई के लालबाग इलाके में एक 60 मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई. आग इतनी भीषण लगी कि ये 17 मंजिल से 25 मंजिल तक फैल गई. दूर से ही धुएं का गुबार देखा गया. बिल्डिंग से आग की लपटें निकल रही थी. फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. जानकारी मिली है कि करी रोड इलाके में स्थित इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया गया है.

आग बुझाने में फायर ब्रिगेड की 20 से ज़्यादा गाड़ियां लगी रही. इस बिल्डिंग में कई बड़े बिजनेसमैन रहते हैं. इस इमारत का नाम 'अविघ्ना पार्क अपार्टमेंट' है. दमकल विभाग के मुताबिक आग दोपहर करीब 11.50 बजे लगी. अपार्टमेंट में लगी आग में एक व्यक्तिघायल हुआ. मुंबई दमकल विभाग के मुताबिक उस व्यक्तिने बिल्डिंग की 19वीं मंजिल से छलांग लगाई थी. दमकल विभाग के

मुताबिक मुंबई में करी रोड स्थित बहुमंजिला अविघ्ना पार्क अपार्टमेंट में लगी आग में एक व्यक्ति घायल हुआ है. जबकि फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया गया है. उधर घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर तथा मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल भी मौके पर पहुंचे और आयुक्त ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं. उन्होंने जानकारी दी है कि आग पर काबू पा लिया गया है और फिलहाल कूलिंग का काम जारी है.

– जान बचाने इमारत से कूदा शख्स, मौके पर ही हुई मौत

बिल्डिंग में आग की एक वीडियो के मुताबिक, एक शख्स आग से बचने के लिए बालकनी से लटकता है, लेकिन नीचे गिर जाता है. उसे अस्पताल ले जाया गया मगर उसकी मौत हो गई.

मृतक शख्स का नाम अरुण तिवारी था और उम्र सिर्फ तीस साल थी. ऐसा बताया जा रहा है कि कुछ फ्लैट्स का इंटीरियर काम चल रहा था.

अनन्या ने खुद ड्रग्स लेने से इनकार किया, लेकिन एनसीबी जवाबों से संतुष्ट नहीं

क्रांति समय ,सूरत

मुंबई,क्रूज शिप ड्रग्स पार्टी केस में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे से एनसीबी ने लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ क्रूज शिप ड्रग्स पार्टी केस में गिरफ्तार आर्यन खान के साथ दो साल पुरानी व्हाट्सएप चैट में ड्रग्स के उल्लेख के बाद एनसीबी अनन्या से ड्रग्स से जुड़ी बात की तह तक

पहुँचने की कोशिश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक अनन्या और आर्यन खान के बीच हुई व्हाट्सएप चैट में ड्रग्स का जिक्र किया गया था। में अनन्या ने खुद ड्रग्स लेने से इनकार किया है, लेकिन एनसीबी अनन्या के जवाबों से संतुष्ट नहीं है, इसलिए उन्हें सोमवार को फिर से बुलाया है।

उधर राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने फिर से धमकी मिलने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक नवाब मलिक के दफ्तर में सुबह साढे सात बजे एक फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि वो राजस्थान से बोल रहा है। वानखेडे के खिलाफ बोलना बंद करो नहीं तो ठीक नहीं होगा।

बांबे हाईकोर्ट ने दो छात्रों के लिए दिया अलग से नीट परीक्षा कराने का आदेश, रिजल्ट में हो सकता है और विलंब

क्रांति समय ,सूरत

मुंबई,मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के परिणामों में और अभी और विलंब हो सकता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दो छात्रों के लिए अलग से नीट परीक्षा कराने का आदेश दिया है। अब संभावना है इन दोनों छात्रों की परीक्षा के बाद ही नीट का रिजल्ट घोषित किया जाएगा। नीट के छात्र पहले ही रिजल्ट में देरी से परेशान हैं, अब कोर्ट के फैसले ने उनकी चिंताएं और बढ़ा दी हैं। नीट की परीक्षा पिछले महीने 12 सितंबर को देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा में करीब 16 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश सोलापुर जिले के उन दो विद्यार्थियों की याचिकाओं पर आया है जिन्होंने शिकायत की थी कि निरीक्षक की असावधानी के कारण उन्हें एग्जाम के दौरान बेमेल टेक्स्ट बुकलेट और आंसर शीट मिले। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उन्हें दी गई टेस्ट बुकलेट और आंसर बुकलेट मैच नहीं कर रही थी। जब उम्मीदवारों ने तुरंत निरीक्षकों को इस बात की जानकारी दी तो उनकी नहीं सुनी गई और चुप करा दिया गया। इसके बाद कोर्ट ने एनटीए को याचिकाकर्ताओं वैष्णवी भोपाले और अभिषेक कापसे के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करने और दो सप्ताह में उनके परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने एनटीए को याचिकाकर्ताओं को री-एग्जामिनेशन की तारीख और एग्जामिनेशन सेंटर की जानकारी 48 घंटे पहले देने के लिए कहा है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा में कथित फर्जीवाड़े को लेकर दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने फिर से परीक्षा कराने की मांग ठुकराते हुए इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा एनटीए ने गुरुवार रात एक बार फिर नीट यूजी 2021 के सेकेंड सेट की डिटेल्स भरने और ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म की डिटेल्स में करेक्शन करने की विंडो ओपन कर दी। उम्मीदवार 26 अक्टूबर 2021 तक सेकेंड सेट की डिटेल्स सकते हैं। इसके अलावा फर्स्ट फेज की डिटेल्स में भी करेक्शन कर सकते हैं। देश भर से उम्मीदवारों से प्राप्त हो निवेदनों को देखते हुए एनटीए ने नीट यूजी एप्लीकेशन में करेक्शन के लिए एप्लीकेशन विंडो एक बार फिर खोला है। हालांकि एनटीए ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद दूसरी बार परीक्षा के आयोजन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है।

'ब्रेन-डेड' युवक के परिजनों ने चार लोगों को दान किए अंग, पेश की परोपकार की अद्भुत मिसाल

क्रांति समय ,सूरत

नागपुर,समाज में परोपकार को सबसे शीर्ष रखा जाता है ऐसे में किसी व्यक्तिके अंग दान को महादान की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसी ही एक मिसाल 'ब्रेन-डेड' युवक के परिजनों ने पेश की है। कानून के मुताबिक जब कोई व्यक्ति अपने स्वयं के अंग को हटाने और किसी अन्य व्यक्तिको प्रत्यारोपित करने की अनुमति देता है, कानूनी तौर पर, या तो सहमति से। इसके अलावा जब कोई व्यक्ति मृत हो जाता है तो उनके परिवार वाले भी अंग दान करने की इजाजत दे सकते हैं। यह एक महान प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति मरने के बाद कई जिंदगियों को बचा सकता है। स्वस्थ प्रत्यारोपण योग्य अंगों और ऊतकों को किसी अन्य व्यक्ति में प्रत्यारोपित करने के

लिए दान किया जा सकता है। आम प्रत्यारोपण में गुर्दे, हृदय, यकृत, अग्न्याशय, आंत, फेफड़े, हड्डियां, अस्थि मज्जा, त्वचा और कॉर्निया शामिल हैं। कुछ अंगों और ऊतकों को जीवित दाताओं द्वारा दान किया जा सकता है, जैसे कि गुर्दा या यकृत का हिस्सा, अग्न्याशय का हिस्सा, फेफड़े का हिस्सा या आंतों का हिस्सा, लेकिन अधिकांश दान दाता की मृत्यु के बाद होता है।

इस जानकारी को देने के बाद हम आपको बताते है कि ऐसे बहुत से लोग है जो अपने अंगों को दान कर देते हैं ताजा उदाहरण के तौर पर आपको बताते हैं कि महाराष्ट्र में नागपुर के एक निजी अस्पताल में 'ब्रेन-डेड' घोषित किए गए 27 वर्षीय व्यक्तिने चार मरीजों को नया जीवन दिया है। उसके परिवार ने मरीज के कई अंग दान किए थे। 'ब्रेन-डेड' ऐसी स्थिति होती है जिसमें व्यक्ति का मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है। शहर के एक निजी अस्पताल द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मध्य प्रदेश के बैतुल निवासी एक व्यक्ति को एक दुर्घटना के बाद 16 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

काफी कोशिशों के बाद भी उसकी जान बचाई नहीं जा सकी और उसे बुधवार रात को ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया। विज्ञप्ति के अनुसार, कई बार समझाने के बाद उसके परिवार के सदस्यों को उसके अंग दान करने के लिए राजी कर लिया गया ताकि चार अन्य लोगों की जान बचाई जा सके।

मरीज का हृदय विमान से मुंबई ले जाया गया और उसके यकृत एवं गुर्दों को शहर में अन्य निजी अस्पतालों को दिया गया। मुंबई से आए चिकित्सकों के एक दल ने हृदय का प्रतिरोपण किया।

भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को समन, गवाह के तौर पर होंगे पेश

क्रांति समय ,सूरत

मुंबई,कोरेगांव भीमा जांच आयोग ने भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को शुक्रवार को समन जारी करने का आदेश पारित किया है. आयोग ने इन्हें 8 नवंबर को पेश होने के लिए समन जारी किया है. बता दें की 1 जनवरी 2018 को हुई हिंसा मामले में चल रही जांच में इन्हें गवाह के रूप में पेश होना है. मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को समन का जवाब 8 नवंबर तक देना है.

आपको बता दें कि भीम कोरेगांव हिंसा के वक्त परमबीर सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक थे. वहीं, रश्मि शुक्ला पुणे की पुलिस आयुक्त थी. आयोग के एक वकील ने शुक्रवार को एक अर्जी देते हुए कहा कि परमबीर सिंह और रश्मि शुक्ला को गवाह के रूप में बुलाया जाना चाहिए, क्योंकि खुफिया सूचना और हिंसा से संबंधित दोनों अधिकारियों को मिली सभी जानकारी को सामने लाना आवश्यक है. जिसके बाद इस अर्जी को स्वीकार कर लिया गया.

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन पर पैनी नज़र

सीमाओं पर बढ़ते चीनी सैन्य अभ्यास, पूर्वी क्षेत्र में सैनिकों की तैनाती और उकसाने वाली गतिविधियों के बाद भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को तेज किया है। सेना की तरफ से कहा भी गया है कि हम किसी भी आकस्मिक चुनौती का मुकाबला करने के लिये तैयार हैं। बाकायदा अरुणाचल में पूर्वी सेना कमांडर द्वारा मीडिया को दी गई जानकारी में कहा भी गया कि पड़ोसी देश को स्पष्ट संदेश है कि हम उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं और किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिये तैयार हैं। निस्संदेह कड़ाके की ठंड बढ़ने के साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चौकसी का काम बेहद चुनौतीपूर्ण हो जायेगा। लेकिन हालात उच्चतम स्तर की सतर्कता बनाये रखने की मांग करते हैं। हाल ही के दिनों में चीनी सैनिकों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर और उत्तराखंड के बाराहोती सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश चिंता बढ़ाने वाली है और सतर्कता की जरूरत बताती है, जिसका निष्कर्ष विश्व बिरादरी को बताना भी जरूरी है कि वास्तविक हमलावर कौन है जबकि बीजिंग तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करता रहा है। हालिया दौर की सैन्य वार्ता में जैसी नीयत चीन ने दिखायी, उससे विवादास्पद बिंदुओं पर गतिरोध समाप्त होने की संभावना कम ही नजर आ रही है। हालांकि भारत ने राजनयिक व सैन्य बातचीत के सभी विकल्प खुले रखते हुए गेंद चीन के पाले में डाल दी है। लेकिन उसके साथ ही चीन से लगी सीमा पर सजगता-सतर्कता भी बढ़ा दी है। हवाई चौकसी के साथ ही मानव रहित विमानों की तैनाती से चीन की करतूतों पर निगाह रखी जा रही है, जिससे रात-दिन सीमा पर विषम परिस्थितियों में चौकसी में जुटे सैनिकों का मनोबल व साथ ही दुश्मन का कारगर मुकाबला करने का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। वैसे भी अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की चुनौतीपूर्ण निगरानी तकनीकी क्षमता बढ़ाये बिना संभव भी नहीं है।

वहीं दूसरी ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने की रणनीति ही चीन को सामरिक बढ़त हासिल करने की कोशिश से रोक सकती है। बीते सप्ताह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल में सेला सुरंग के निर्माण को अंतिम रूप दिया, यह सुरंग वर्ष 2022 तक तैयार हो जायेगी। इस सुरंग का मकसद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तवांग में सैनिकों की आवाजाही तेज करना ही है। जिस तरह से सीमा पर चीन ने सैनिकों के लिये स्थायी निर्माण कर लिये हैं और जैसे वह सैन्य अभ्यास कर रहा है तो भारत कनेक्टिविटी के मामले में पीछे कैसे रह सकता है। हमारी चूक के कारण ही चीन ने वर्ष 1962 में जख्म दिये थे। उसके बाद छल करके 2020 में भी गलवान संघर्ष के कड़वे सबक दिये। अपनी सुरक्षा तैयारियों से हम कोई समझौता नहीं कर सकते। वह भी तब जबकि पिछले एक वर्ष से सीमा पर गतिरोध कायम है। चीन की नीयत में खोट का पता इस बात से पता चलता है कि पूर्वी लद्दाख में विवाद का निपटारा हुआ नहीं है और वह दूसरे इलाकों में भी तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। हाल ही में उसके सैनिकों ने जिस तरह सीमाओं का अतिक्रमण करने का प्रयास किया, उससे उसके नापाक इरादों का पता चलता है। सिक्किम व अरुणाचल की सीमाओं पर बढ़ती सैन्य गतिविधियां आसन्न चुनौती की ओर इशारा कर रही हैं। कहीं न कहीं चीन सीमा पर स्थायी निर्माण करके भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की फिराक में है। आज का भारत 1962 के भारत से बहुत आगे निकल गया है और गलवान संघर्ष में भारतीय वीरों का करारा जवाब उसे याद रखना चाहिए। लेकिन सचेत रहने की जरूरत है। वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास चीन जिस तरह अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वह उसकी किसी लंबी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। चीनी सैनिकों की लगातार बढ़ती गश्त इन्हीं आशंकाओं की ओर इशारा कर रही है। तवांग में भारतीय व चीनी सैनिकों का आमना-सामना इस कड़ी का हिस्सा है।

भारत-चीन में तनातनी जारी

तमाम कूटनीतिक और रणनीतिक कोशिशों के बावजूद भारत और चीन के बीच तनाव बना रहना वाकई चिंता की बात है। पिछले वर्ष जून महीने से लेकर अभी तक सीमा पर चीन से भारत की अदावत जारी है। इस दौरान दोनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों की वार्ता भी बेनतीजा रही है। चीन अपनी फितरत के मुताबिक कभी पूर्वी लद्दाखग कभी अरुणाचल प्रदेश तो कभी उत्तराखंड़ से लगती सीमा पर उद्दंड़ता से पेश आता रहता है। ताजा घटनाक्रम के तहत भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की करतूतों के मद्देनजर विभानभेदी तोपों को तैनात किया है। आशय साफ है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनातनी चरम पर है और मोर्चाबंदी तेज हो गई है। अत्याधुनिक एल 70 विभानभेदी तोपों की तैनाती एलएसी के नजदीक पहाड़ों पर की गई है। इसके अलावा, एम-777 हावित्जर तोपों और बोफोर्स तोपों को भी सीमा पर तैनाता कर दिया गया है। इन सब हथियारों को सीमा रेखा पर रखवाए जाने का सीधा सा अर्थ यही निकलता है कि भारत और चीन के बीच शांति के लिए जो कुछ उपाय तलाशे गए; वह बेमानी सिद्ध हुए। चीन तो इस फिराक में है कि कैसे भारत को इन्हीं सब मामलों में उलझा कर रखा जाए। सर्दी शुरू होने से पहले चीन की ऐसी तैयारियों को समझना रॉकेट साइंस तो बिल्कुल नहीं है। चीन को भारतीय सैनिकों की जीवटता, निड़रता और वीरता का बखूबी भान है। वह ऐसी हरकत भारत को सिर्फ परेशान करने के लिए करता रहा है। उसे पिछले साल पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील इलाके में भारतीय सैनिकों ने जिस तरह से जवाब दिया, उसे वह लंबे वक्त तक याद रखेगा। दरअसल, क्वाड़ (चतुर्भुज गुट) में जिस तरह से चीन को शामिल नहीं किया गया, उसके लिए वह भारत को ही दोषी मानता है। उसकी दूसरी खीझ है कि सी-पेक में भारत के शामिल नहीं होने और उसका विरोध करने से भी चीन भारत के प्रति गलत मंशा रखता है। चीन की विस्तारवादी नीति का वैश्विक मंच पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिना नाम लिए जिक्र किया। स्वाभाविक है कि चीन को यह सब बातें चुभती होंगी कि एक मुल्क जो कभी आवाज नहीं उठाता था, आज हमसे बराबरी के स्तर पर मोर्चा ले रहा है। शायद चीन यह भूल गया है कि भारत अब बदला हुआ देश है, जिसे बिना वजह छेड़ने का अंजाम बुरा होता है।

परिधि/ विशाल तिवारी

जज्बे की नहीं होती उम्र

अंग्रेजी में एक कहावत है-उम्र सिर्फ एक संख्या भर नहीं होती, यह जीने का फलसफा है। जिंदादिली असल मायनों में इसकी परिभाषा है। वो अलग बात है कि इसे कम ही लोग परिभाषित कर पाते हैं, मगर ब्रिटेन की महारानी ने इसे चरितार्थ किया है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने यह कहते हुए 'ओल्ड़ी ऑफ द ईयर' का पुरस्कार लेने से मना कर दिया कि 'जब आप महसूस करते हैं तभी आप वृद्ध होते हैं।' उनकी बात सोलह आने सही है।

बता दें कि एलिजाबेथ फिलहाल 95 वर्ष की हैं। औसतन दुनिया में 60 वर्ष की उम्र के बाद व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक मान लिया जाता है। वैसे व्यक्ति की क्षमतानुसार सेवा विस्तार भी दिया जाता है। आज जब दुनिया में एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है, वरिष्ठ नागरिकों के लिए रिटायरमेंट के बाद दुनिया बहुत सहज नहीं रह जाती। अकेलेपन से उपजी निराशा व्यक्ति को वक्त से पहले बूढ़ा कर देती है। ऐसे में एलिजाबेथ की सोच जिंदादिली को व्यापक अर्थ देती है। खासकर जब कोरोना जैसी महामारी का सामना कर रही मानवता का एक हिस्सा अवसाद से जूझ रहा है। विशेषकर वयोवृद्ध तबके के लिए चुनौतियां और बढ़॰ गई हैं। रिटायरमेंट के बाद या शरीर जब काम करना बंद कर देता है तो बड़ा सवाल व्यक्ति की व्यस्तता का होता है। जो लोग व्यस्त होने की वजह तलाश लेते हैं; उनके लिए तो जिंदगी आसान हो जाती है।' इससे इतर एक तबके के लिए जिंदगी बोझ सी लगने लग जाती है। उनके लिए समय काटना दुरूह होता है। गांवों और छोटे शहरों के संयुक्त परिवारों में तो फिर भी व्यक्ति किसी न किसी बहाने सक्रिय रहता है। बड़े शहरों और महानगरों में एकल जीवन संस्कृति ने वृद्ध आश्रम की संख्या को बढ़ावा दिया है। एलिजाबेथ-जो उम्र की लगभग सदी पूरी करने वाली हैं-का बयान एक बड़े वर्ग के लिए प्रेरणा है जो यह 60 के बाद जिंदगी को सिर्फ 'काटने' की मुद्रा में रहता है। साथ में उनके लिए भी जो अवसाद से घिर जाते हैं। वैसे यह तर्क भी दिया जा सकता है कि महारानी के पास किस चीज की कमी है? ठीक है जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण में निजी वैभव का योगदान हो सकता हैग लेकिन अमीरी जिंदगी के दर्शन को एक हद तक प्रभावित कर सकती हैग समग्रता में हमारा नजरिया ही चीजों को तय करता है।

विदेश नीति का कुशीनगर सूत्र

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

विदेश नीति का क्षेत्र व्यापक होता है। इसमें इतिहास, भूगोल, नेतृत्व आदि के अलावा संस्कृति संबंधी तत्व भी प्रभावी होता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय विदेश नीति को नया आयाम मिला है। उन्होंने संस्कृति को महत्वपूर्ण तत्व के रूप में प्रतिष्ठित किया है। इसके पहले संस्कृति को लेकर भारतीय नेतृत्व में संकोच का भाव रहता था। प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस परम्परा को बदला था। नरेंद्र मोदी इस पर अधिक प्रभावशाली रूप में अमल कर रहे हैं। वे विदेशी शासकों को भगवत गीता की प्रति भेंट करते हैं। भारत आगमन पर उनमें से कई लोग मंदिर गए। अरब देशों में मंदिर बनाये गए। नरेंद्र मोदी उनके उद्घाटन में सहभागी हुए थे। जापान के प्रधानमंत्री काशी की गंगा आरती में सहभागी हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर वार्ता की थी। व्हाइट हाउस की दीपावली चर्चित हुई थी। उन्होंने बौद्ध देशों के साथ सांस्कृतिक आधार पर सहयोग बढ़ाने ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में गौतम बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया गया था। उन्हें बोध गया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सारनाथ में उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया था। उनका महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।

केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने इन सभी स्थानों को भव्यता के साथ विकसित किया। यहां विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन भी इसमें शामिल है। इस समारोह में अनेक बौद्ध देशों के लोग शामिल हुए। श्रीलंका का विशेष विमान यहां उतरा। भारतीय उपमहाद्वीप के अलावा मध्य,पूर्वी और दक्षिण। पूर्वी एशिया में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। इनकी संख्या पचास करोड़ से अधिक है। चीन, जापान, वियतनाम, थाईलैण्ड, म्यांमार, भूटान, श्रीलंका, कम्बोडिया,मंगोलिया, लाओस,सिंगापुर,दक्षिण कोरिया एवं उत्तर कोरिया सहित तेरह देशों में बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है। नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया,रूस,ब्रुनेई, मलेशिया आदि देशों में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद उद्घाटन के बाद कार्यकम को सम्बोधित किया था। उन्होंने कहा कि विश्व भर के बौद्ध समाज के लिए भारत श्रद्धा और आस्था का केन्द्र है। कुशीनगर इण्टरनेशनल एयरपोर्ट की यह सुविधा उनकी श्रद्धा को समर्पित है। भगवान बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति से लेकर महापरिनिर्वाण तक की सम्पूर्ण यात्रा का साक्षी यह क्षेत्र आज सीधे दुनिया से जुड़ गया है। श्रीलंकन एयरलाइंस के विमान का कुशीनगर में उतरना इस पुण्य भूमि को नमन करने की तरह है। इसके पहले नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आसियान देशों को आमंत्रित कर चुके हैं। इसमें बौद्ध सबसे बड़ा धर्म है। नरेंद्र मोदी ने एक सम्पूर्ण क्षेत्रीय संगठन मेहमान भारतीय गणतंत्र दिवस पर मेहमान बनाया था। आसियान के दस राष्ट्राध्यक्ष,गणतंत्र दिवस में मुख्य समारोह के गवाह बने थे। यह विदेश नीति का नायाब प्रयोग था। जिसे पूरी तरह सफल कहा गया थ। इसने आसियान के साथ भारत के आर्थिक, राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों का नया अध्याय शुरू किया था।

महत्वपूर्ण यह था कि सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के निमंत्रण को स्वीकार किया। एक्ट ईस्ट की नीति कारगर ढंग से आगे बढ़ाया गया। चीन विश्वास के लायक नहीं है। इसलिए मोदी ने आसियान देशों के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया। मोदी की इस नीति से न केवल एशिया में चीन के वर्चस्ववादी

> "वर्तमान सरकार के पहले तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। यह लखनऊ तथा वाराणसी में था। प्रदेश की कनेक्टिविटी भी उस समय करीब पंद्रह स्थानों के लिये थी। आज कुशीनगर प्रदेश का नौवां फंक्शनल एयरपोर्ट है। अब उत्तर प्रदेश पचहत्तर गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ चुका है। कुशीनगर प्रदेश का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।"

रुख को धक्का लगा। इनमें से अनेक देश चीन की विस्तारवादी नीति को पसंद नहीं करते। यह बात आसियान में सामान्य सहमति का विषय है। केवल इसके लिए किसी को पहल करने की आवश्यकता थी। मोदी ने साहस के साथ पहल का ये काम किया। भारत और आसियान देशों के बीच अति प्राचीन सामाजिक व सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। कई आसियान देशों में बौद्ध बहुसंख्यक हैं। सिंगापुर में तो नब्बे प्रतिशत आबादी बौद्धों की है। इसके अलावा इन सभी देशों में रामकथा व्यापक रूप से प्रचलित है। यहां के राजकीय प्रतीकों में रामायण से संबंधित चिन्ह मिलते हैं। इंडोनेशिया के मुसलमान भी रामायण संस्कृति पर विश्वास करते हैं। उन्होंने उपासना पद्धति बदली है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं छोड़ा। रामलीला का मंचन वहाँ बहुत लोकप्रिय है। ये सब भारत और आसियान देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने वाले हैं।

एक्ट ईस्ट नीति की एक अन्य कारण से भी आवश्यकता थी। वह यह कि आसियान का विस्तार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा तक हो गया था। म्यांमार, कम्बोडिया,लाओस और वियतनाम आसियान के सदस्य बने थे। इससे आसियान भारत के ज्यादा करीब हो गया। स्थापना के समय भारत से इसकी सीमा दूर थी। तब इंडोनेशिया, मलेशिया,फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर इसके सदस्य थे। ब्रुनेई, वियतनाम,म्यांमार बाद में सदस्य बने थे। इसीलिए मोदी ने आसियान को लेकर नीति में बदलाव किया।

सीमा की नजदीकी देखते हुए भू और समुद्री परिवहन को प्रोत्साहन देने के प्रयास किये गए। भारत के सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के माध्यम से आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। म्यांमार, थाईलैंड,भारत त्रिपक्षीय एक्सप्रेस-वे के द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियां आसियान से जुड़ जाएंगी। भारत, नेपाल, बाग्लादेश, भूटान चारों को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण का कार्य जारी है। इसका भी आसियान के साथ परिवहन की दृष्टि से फायदा होगा। सभी आसियान देश आतंकवाद पर भी चिंता जाहिर करते है। इसके मुकाबले के लिए साझा रणनीति बनाने पर सहमति है। समुद्री परिवहन के नियमानुसार आजादी का विषय भी गंभीर है। चीन समुद्री क्षेत्र में नियम विरुद्ध ढंग से अपना हस्तक्षेप बढ़ा रहा है। वह कृत्रिम द्वीप और उनमें सैनिक अड्डों का निर्माण कर रहा है। इससे भी इस क्षेत्र के देशों की परेशानी बढ़ी है। ऐसे में समुद्री क्षेत्र में चीन की दबंगई के मुकाबले हेतु आसियान देश संयुक्त रूप से प्रयास करने पर सहमत हुए। यह तय हुआ कि समुद्री इलाके के न्याय संगत उपयोग के लिए साझेदारी बढ़ाई जाएगी। भारत और आसियान के कानून पर आधारित रणनीति बनाई जाएगी। आसियान में भारत का महत्व और विश्वसनीयता बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में कहा था कि दुनिया ने युद्ध दिया होगा, लेकिन भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है। जब भगवान बुद्ध की बात करते हैं, तो उत्तर प्रदेश और भारत का यह संदेश दुनिया के कोने-कोने में जाता है। भगवान बुद्ध से जुड़े सर्वाधिक स्थल उत्तर प्रदेश में हम सभी का गौरव हैं। भगवान बुद्ध की राजधानी कपिलवस्तु सारनाथ हो, उन्होंने सबसे अधिक चातुर्मास श्रावस्ती कौशाम्बी संकिसा कुशीनगर भी उत्तर प्रदेश में है। बौद्ध सर्किट की यह परिकल्पना को साकार हो रही है। बौद्ध सर्किट न केवल सड़क मार्ग बल्कि वायु मार्ग से भी जुड़ गया है। इसी क्रम में, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान सरकार के पहले तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। यह लखनऊ तथा वाराणसी में था। प्रदेश की कनेक्टिविटी भी उस समय करीब पंद्रह स्थानों के लिये थी। आज कुशीनगर प्रदेश का नौवां फंक्शनल एयरपोर्ट है। अब उत्तर प्रदेश पचहत्तर गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ चुका है। कुशीनगर प्रदेश का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

आलेख

दुख और सुख का समाहार है अतीत

सियाराम पांडेय 'शांत'

अतीत की नींव पर वर्तमान का महल खड़ा होता है लेकिन नींव दिखती नहीं है। नींव को देखने की किसी की इच्छा भी नहीं होती। नींव को देखने की हसरत पूरी करनी हो तो महल का मोह त्यागना होता है। उसे गिराए बिना,ध्वस्त किया बिना नींव की ईंट के दीदार संभव नहीं है। गौरवशाली अतीत जहां सुख देता है, वहीं अतीत का प्रभाव दुख देता है। अतीत सही मायने में सुख और दुख का समाहार है। राजनीतिक बुलंदियों और प्रभाव को भी इस आलोक में देखा समझा जा सकता है। जहां तक खुद की महानता और अच्छे होने का सवाल है तो यह काम व्यक्ति के कर्म स्वत: तय कर देते हैं।

इन दिनों राजनीति की कब्र से गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं। एक ओर तो देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसके औचित्य पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसा करने के बहाने तलाश रहे हैं। कोई खुद के पूर्णकालिक अध्यक्ष होने का दावा कर रहा है तो कोई बिना किसी परिवारवादी राजनीति के सियासत के चरम तक पहुंचने को जनता जनार्दन का आशीर्वाद मान रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो यहां तक कहा है कि हमें राष्ट्र के विभाजन की पीड़ा को भूलना नहीं चाहिए। इसके बाद तो भाजपा की राजनीति में ऐसा सोचने और कहने वालों की बाढ़ आ गई है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वीर सावरकर की राष्ट्र भक्ति की जहां चर्चा की, वहीं कांग्रेस उनकी आलोचना पर उतर आई है। इसमें शक नहीं कि देश की आजादी के लिए बीडी सावरकर ने जितनी जेल यातनाएं सहीं, उतनी शायद ही किसी क्रांतिवीर ने सही होगी। अंग्रेजों ने उन्हें दो बार उम्रकैद की सजा दी। उनके नाखून तक उतार लिए। इसके बाद भी कांग्रेस उन्हें वीर मानने को तैयार नहीं। वह उन्हें कायर करार दे रही है। रिहा करने का आवेदन तो तमाम कांग्रेसियों ने किया था लेकिन उन पर तो कभी सवाल नहीं उठे।

सावरकर मन से हिन्दू थे, शायद यह बात कांग्रेस हजम नहीं कर पाई। संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस बात में दम है कि आजादी की बाद से ही सावरकर की छवि बिगाड़ने का षड्यंत्र किया गया। इसके बाद से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता तो यहां तक कहने लगे हैं कि भाजपा महात्मा गांधी की जगह सावरकर को राष्ट्रपिता बनाना चाहती है। इसे बौद्धिक दिवालियापन नहीं तो और क्या कहा जाएगा ? राजनीतिक संकीर्णता का यह आलम उचित तो नहीं है। इसमें संदेह नहीं कि जिस सुभाष चंद्र बोस के हवाले से कांग्रेस सावरकर को घेर रही है, उन नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को कांग्रेस में वह हक और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगर यह कह रहे हैं कि अंडमान-निकोबार को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का तीर्थ घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि यहां देश के तमाम स्वतंत्रता सेनानियों ने काला पानी की सजा भुगती है। अंडमान निकोबार में 299 करोड़ की 14 परियोजनाओं का उद्घाटन और 683 करोड़ की 12 परियोजनाओं का शिलान्यास कर, उद्घाटित पुल का नाम आजाद हिंद फौज रखने की इच्छा जाहिर कर मोदी सरकार ने महापुरुषों के प्रति जो सम्मान भाव प्रकट किया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। सरकार को पता है कि सुई का काम तलवार नहीं कर सकती। देश केवल बड़े काम से समृद्ध नहीं होता। छोटे-छोटे काम भी देश को आगे बढ़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि छोटे- छोटे व्यक्तिगत संकल्प देश में आमूल-चूल परिवर्तन लाने में बहुत मददगार साबित होते हैं। सभी भारतीयों को छोटे-छोटे व्यक्तिगत संकल्प लेने चाहिए जैसे कि कभी भी यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करना है या भोजन की बर्बादी नहीं करनी है।

अमित शाह अगर यह कह रहे हैं कि कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। इस बात पर कांग्रेस को गौर करना चाहिए था। यह सच है कि चुनाव सिर पर हो तो आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो जाता है। हर दल खुद को जन सापेक्ष, लोकहितकारी साबित करने में जुट जाता है। हर दल का दावा होता है कि देश को विकास और यश-प्रतिष्ठा के शिखर पर वही ले जा सकता है। वही उसे महान बना सकता है।

देश महान बनता है और तरक्की करता है तो सबके सहयोग से । चंद लोगों की समृद्धि ही देश की तरक्की का मानक नहीं हो सकती। सबके विकास में ही देश का विकास निहित है। इसलिए सबका साथ पाना और सबका विश्वास जीतना जरूरी है लेकिन देश के मौजूदा राजनीतिक राग तो इस बात की प्रतीति नहीं दिलाते कि हम इस ओर बढ़ भी रहे हैं।

सैटेलाइट इंटरनेट

फायदे और संभावनाएं

प्रभात सिन्हा

हमारे देश में अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रत्यक्ष तौर पर बढ़ रहे हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र की कई कंपनियां अंतरिक्ष में उपलब्ध संभावनाओं का इस्तेमाल करते हुए भारतीय उपभोक्ताओं के लिए कई महत्ववाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रही हैं। उदाहरण के लिएग इसरो अंतरिक्ष में यात्रियों को ले जाने वाले महत्ववाकांक्षी गगनयान मिशन में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है । पिछले महीने भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्रों में काम करने की इच्छुक कंपनियों की मदद के लिए सिंगल विंडो नोडल एजेंसी के रूप में इन-स्पेस की स्थापना को मंजूरी दी है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को व्यवसाय के लिए अनुकूल बनाने की तरफ एक महत्ववपूर्ण कदम माना जा रहा है। सैटेलाइट इंटरनेट भी अंतरिक्ष पर आधारित एक अहम व्यवसाय हैग और कई वैश्विक कंपनियां इस व्यवसाय में दिलचस्पी भी दिखा रही हैं।

हमारे देश के अधिकांश शहरी क्षेत्र में इंटरनेट पहुंच चुका हैग और धीरे-धीरे उपनगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुंचाने की योजना पर काम चल रहा हैग लेकिन दूर-दराज के कुछ ऐसे भी पर्वतीयग पहाड़ीग तटीय और द्वीपीय क्षेत्र हैंग जहां इंटरनेट को ले जाना आसान नहीं है। सामान्य भौगोलिक क्षेत्र में प्रभावी होने के साथ ही सैटेलाइट इंटरनेट, सुदूर और भौगोलिक तौर पर कठिन क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंचाने के लिए प्रभावी विकल्प बनकर उभरा है। सैटेलाइट इंटरनेट एक प्रकार का कनेक्शन हैग जो सैटेलाइट से इंटरनेट सिग्नल प्राप्त करता है। सैटेलाइट इंटरनेट पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले कृत्रिम सैटेलाइट के साथ संचार करने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करता है। डेटा को भेजने और पुनर्प्राप्त करने के लिए एक विशेष संचार नेटवर्क का उपयोग किया जाता है।

इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) अंतरिक्ष में स्थित उपग्रह को फाइबर इंटरनेट सिग्नल भेजता है। इंटरनेट सिग्नल सैटेलाइट डिश की तरफ आता है, और सैटेलाइट डिश उस सिग्नल को पकड़ लेता है। सैटेलाइट डिश मॉडेम से जुड़ा है, जो कंप्यूटर को इंटरनेट सिग्नल से जोड़ता है।

सैटेलाइट इंटरनेट को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं, जिनको समझ लेना जरूरी है। लोगों को लगता है कि यह बहुत धीमा होता है, और संचार में ज्यादा समय लगता हैग लेकिन यह सच नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट केबल या अन्य ब्रॉडबैंड सेवाओं जैसा ही तेज है, तकनीकी उन्नति से 100 एमबी प्रति सेकेंड की गति प्राप्त की जा चुकी है, जिसको 1 जीबी प्रति सेकेंड तक बढ़ाने की बात चल रही है। सैटेलाइट इंटरनेट से देश के ग्रामीण और सुदूर इलाकों में डायल अप से तेज इंटरनेट की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सैटेलाइट इंटरनेट को लगाना और शुरू करना अन्य इंटरनेट माध्यमों से आसान है, और वायरलेस होने के कारण अन्य माध्यमों की अपेक्षा नेटवर्क विच्छेद की संभावना बहुत कम होती है। अभी सारी बड़ी सेवा प्रदाता कंपनियां इस बाजार पर नियंत्रण की होड़ में हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में त्वरित नवीनीकरण होंगे और सेवाएं सुगम बनेंगी। प्रतिस्पर्धा और नवीनीकरण से आम उपभोक्ताओं को फायदा तो होता ही है। भारतीय सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में एयरटेल के सुनील मित्तल और रिलायंस जिओ के मुकेश अंबानी को विश्व के बड़े व्यापारी एलन मस्क और जेफ बेजोस टक्कर देने की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल, सुनील मित्तल के भारती ग्लोबल की नियंत्रण वाली वनवेब को टेलकॉम मंत्रालय से लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी 1 गीगा बाइट और उससे अधिक प्रति सेकेंड की गति से इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए पृथ्वी के निम्न कक्षा में सैटेलाइट डालने की योजना बना रही है।

ये सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 600 मील की दूरी पर अवस्थित होंगे। अभी कुछ सप्ताह पहले ही वनवेब और अमेरिकन ह्यूज नेटवर्क ने एक रणनीतिक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों कंपनियां मिलकर देश के ग्रामीण और दूरदराज के हिस्सों के बड़े, मझोले, और छोटे व्यवसायोंग सरकारी क्षेत्र, इंटरनेट सेवा प्रदाता एवं टेल्को को इंटरनेट सेवाएं प्रदान करेंगी। एलन मस्क ने भी घोषणा की है, वह अपने महत्ववाकांक्षी स्टारलिंक प्रोजेक्ट को भारत में लाना चाहते हैं। उनकी कंपनी भारत के सरकारी नियम-कानूनों का अध्ययन कर रही है। मस्क की कंपनी स्पेसेक्स ने भारत में संजीव भार्गव को कंपनी का निदेशक भी नियुक्त कर दिया है। देश के सबसे बड़ा खुदरा विक्रेता अमेजन भी अपने प्रोजेक्ट कुइपर के साथ सैटेलाइट इंटरनेट व्यवसाय में हिस्सा लेना चाहता है। इससे अमेजन का खुदरा व्यवसाय सुदूर गांवों तक पहुंचेगा, और कुल उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर सैटेलाइट इंटरनेट व्यवसाय में अभी भरपूर सम्भावनाएं हैं, और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका दीर्घकालिक असर दिखेगा।

तोमर ने कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए उप्र सरकार की सराहना की

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में काम करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की। उन्होंने एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा आयोजित 12वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा और उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में भी कृषि के क्षेत्र में अच्छा काम हो रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार तोमर ने इस दौरान कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की कोशिशों से उत्तर प्रदेश को खासी सफलता मिली है। कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है, जिससे करोड़ों किसानों को फायदा हो रहा है। एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप की ओर से उत्तर प्रदेश को कृषि के लिए 2021 में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिला। हरियाणा को नवाचार के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिला, जबकि उत्तराखंड को बागवानी के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिला।

बायोकॉन का दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 18प्रतिशत घटकर 138 करोड़

नई दिल्ली: जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायोकॉन ने शुक्रवार को कहा कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत घटकर 138 करोड़ रुपए हो गया। बेंगलुरु की कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 169 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। बायोकॉन लिमिटेड ने एक बयान में कहा, हालांकि परिचालन से राजस्व दूसरी तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 1,840 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,750 करोड़ रुपए था। बायोकॉन लिमिटेड की एक्जिक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ ने कहा, महामारी का असर कम होने और आपूर्ति श्रृंखला की दशाओं में सुधार के साथ, मेरा मानना है कि कारोबार के तीनों ही वर्ग- जेनरिक, बायोसिमिलर और अनुसंधान सेवाएं, वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी छमाही (अक्टूबर 2021-मार्च 2022) में सतत वृद्धि के लिए सही स्थिति में हैं।

सोने , चांदी में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 158 रुपये की तेजी के साथ ही 46,678 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थायी) पर बंद हुआ। इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 180 रुपये की तेजी के साथ 64,210 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 64,030 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली बढ़त के साथ 1,794 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया जबकि चांदी 24.35 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

RBI के डिप्टी गवर्नर ने एनबीएफसी से कहा, ग्राहकों के हितों की रक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली:

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने शुक्रवार को गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र में जिम्मेदार संचालन व्यवस्था की संस्कृति बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने इन कंपनियों से ग्राहकों के हितों की रक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देने का आग्रह किया और कहा कि इसे लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कुछ कंपनियों द्वारा जबरन वसूली की घटनाओं को याद करते हुए कहा कि विशुद्ध रूप से व्यावसायिक हितों को ध्यान में रखते हुए घटित मामलों से उस पूरी प्रणाली की साख पर असर पड़ा है जो भरोसे पर ही फलती-फूलती है। राव ने उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित एनबीएफसी सम्मेलन में शुक्रवार को कहा, हमें व्यापारिक या अल्पकालिक लाभ के लिए वित्त के मूल्यों से समझौता नहीं करना चाहिए। ये लाभ वैसे भी संस्थानों को दीर्घावधि में मिलेंगे लेकिन ऐसा तभी होगा जब वह विश्वास और पारस्परिक लाभ पर आधारित हों। उन्होंने कहा कि जबरन वसूली के तरीकों, आंकड़ा गोपनीयता के उल्लंघन, धोखाधड़ी वाले लेनदेन में वृद्धि, साइबर अपराध, अत्यधिक ब्याज दरों और उत्पीड़न को लेकर आरबीआई पास काफी

संख्या शिकायतें आती हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। राव ने कहा, रिजर्व बैंक अपने द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी नियामक कदम में हमेशा व्यापक जनहित को अपने मूल विषय के रूप में रखता है और हम वित्तीय प्रणाली के लिए सामान्य रूप से सार्वजनिक हित के संबंध में अपनी ओर से हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। एक विस्तृत शिकायत निवारण तंत्र, रिजर्व बैंक लोकपाल योजना, उचित व्यवहार संहिता आदि की स्थापना इसका संकेत है।

एचडीएफसी का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16प्रतिशत घटकर 275.91 करोड़ पर

नई दिल्ली: एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने शुक्रवार को कहा कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 16 प्रतिशत घटकर 275.91 करोड़ रुपए रहा। जीवन बीमा कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में उसने 327.83 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि जुलाई-सितंबर 2021 की अवधि के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 20,478.46 करोड़ रुपई हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 16,426.03 करोड़ रुपए थी। कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय भी एक साल पहले की समान तिमाही के 10,056.71 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,445.53 करोड़ रुपए हो गई। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) विभा पडलकर ने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में व्यक्तिगत डब्ल्यूआरपी (वेटेड रिसीव्ड प्रीमियम) के मामले में हमारा कारोबारी प्रदर्शन 22 प्रतिशत की वृद्धि और 16.2 प्रतिशत की निजी बाजार हिस्सेदारी के साथ मजबूत बना हुआ है।

शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दुनिया की राजधानी बन सकता है भारत: कांत

नई दिल्ली:

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका और सार्वजनिक क्षेत्र के चीजों को सुगम बनाने के साथ भारत शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दुनिया की राजधानी बन सकता है। 'पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया' (पीएएफआई) के डिजिटल तरीके से आयोजित सम्मेलन में कांत ने यह भी कहा कि भारत को शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार करने की जरूरत है और प्रौद्योगिकी इस इस संदर्भ में देश को आगे ले जाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका और सार्वजनिक क्षेत्र के चीजों को सुगम बनाने के साथ भारत शिक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की राजधानी बन सकता है।'' कांत ने कहा कि सस्ती इंटरनेट सुविधा और प्रौद्योगिकी आधारित अवसंरचना ही देश में शिक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा, ''केवल भौतिक अवसंरचना पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।'' नीति आयोग के सीईओ के अनुसार, भारतीय शिक्षा प्रौद्योगिकी परिवेश में विकास की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि देश प्रगति करेगा, छात्र सीखेंगे, और शिक्षा के परिणामों में सुधार होगा।'' व्यापक शिक्षा प्रौद्योगिकी ढांचा खासकर वंचित समूह के बीच शिक्षा की बेहतर पहुंच में मददगार होगा।'' इसी कार्यक्रम में बायजू के संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कहा कि शिक्षा प्रौद्योगिकी (एडटेक) के माध्यम से, छात्रों के लिए सीखने का अवसर है। इतना ही नहीं, भारत शिक्षकों के लिए एक वैश्विक प्रतिभा केंद्र भी बन सकता है।

अमेजन को मिली बड़ी राहत, रिलायंस रिटेल के साथ सौदे पर रोक हटाने की फ्यूचर रिटेल की याचिका खारिज

नई दिल्ली:

ई-कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी अमेजन को बड़ी राहत मिली है। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (SIAC) ने फ्यूचर रिटेल की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें रिलायंस रिटेल के साथ 24713 करोड़ के सौदे पर अंतरिम रोक हटाने की अपील की गई थी। अमेजन ने इस सौदे को चुनौती दी रखी है। इससे पहले सिंगापुर की मध्यस्थता अदालत ने 21 अक्टूबर को कहा था कि रिलायंस रिटेल को फ्यूचर ग्रुप की संपत्तियों की बिक्री से जुड़े विवाद में अमजेन और फ्यूचर ग्रुप के बीच चल रही मध्यस्थता में फ्यूचर रिटेल भी एक पक्षकार है। हालांकि फ्यूचर रिटेल ने तर्क दिया था कि उसे प्रमोटर फ्यूचर कूपंस प्राइवेट लिमिटेड व अमेजन के बीच चल रहे विवाद में कोई पार्टी नहीं है तो इसे मध्यस्थता की कार्यवाही से बाहर किया जाना चाहिए। फ्यूचर रिटेल ने शुक्रवार को नियामकीय सूचना में बताया कि 25 अक्टूबर, 2020 के आपातकालीन मध्यस्थ के अंतरिम फैसले को निरस्त करने की उसकी याचिका पर 21 अक्टूबर, 2021 को एसआईएसी ने फैसला सुनाया है। नियामकीय सूचना में दी गई जानकारी के मुताबिक ट्रिब्यूनल ने ईए के फैसले को सही पाया और फैसले के बाद की किसी भी घटना या कार्यवाही से प्रभावित नहीं हुआ है जिसके चलते इसे रद्द नहीं किा जा सकता। ट्रिब्यूनल के मुताबिक मामले में ऐसा कुछ भी पेश नहीं किया गया जिससे ईए के फैसले में किसी बदलाव को सही ठहराया जा सके। फ्यूचर रिटेल ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि अभी कंपनी कानूनी विकल्पों पर गौर रही है जिसके बाद ही आगे की कार्रवाई का फैसला किया जाएगा।

यह है पूरा मामला

फ्यूचर ने अपनी खुदरा, थोक, लॉजिस्टिक्स व वेयरहाउसिंग संपत्तियों की बिक्री के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल इकाई के साथ 24713 करोड़ का सौदा किया है। रिलायंस रिटेल ने इस सौदे के बारे में पिछले साल अगस्त 2020 में जानकारी दी थी।अमेजन इस सौदे के खिलाफ है। अमेजन का कहना है कि यह सौदा उसके और किशोर बियानी के नेतृत्व वाली कंपनी के साथ हुए सौदे का उल्लंघन है। अमेजन का एफसीपीएल में निवेश है जिसकी फ्यूचर रिटेल में हिस्सेदारी है। अगस्त 2019 में अमजेन फ्यूचर की गैर-लिस्टेड फर्म फ्यूचर

कूपंस में 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सौदा किया था जिसके तहत तीन से 10 साल की अवधि में उसे फ्यूचर रिटेल में हिस्सेदारी खरीदने का अधिकार मिला। फ्यूचर कूपंस की फ्यूचर रिटेल में कंवर्टिबल वारंट्स के जरिए 7.3 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस के साथ सौदे पर अमेजन ने फ्यूचर को सिंगापुर की मध्यस्थता अदालत में खींच लिया। इमरजेंसी आर्बिट्रेटर (ईए) ने अक्टूबर 2020 में अमेजन के पक्ष में एक अंतरिम फैसला सुनाया जिस पर रोक लगाने की फ्यूचर रिटेल की याचिका को SIAC ने खारिज कर दिया। इस मसले को लेकर भारत में सुप्रीम कोर्ट्स समेत कुछ अदालतों में याचिकाएं दायर हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी ईए को फैसले को सही ठहराया था।

फाइजर का दावा: बच्चों में कोविड-19 का टीका 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावी

इंटरनेशनल डेस्क:

दवा निर्माता कंपनी फाइजर ने शुक्रवार को जारी विस्तृत अध्ययन में रिपोर्ट में दावा किया कि बच्चों के लिए तैयार उसका कोविड-19 टीका पांच से 11 साल के बच्चों में संक्रमण के लक्षण उभरने से रोकने में करीब 91 प्रतिशत प्रभावी है। यह अध्ययन रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब अमेरिका इस आयु वर्ग के लिए टीकाकरण पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर नियामक ने मंजूरी दी तो अमेरिका में नवंबर के प्रारंभ से बच्चों के टीकाकरण की शुरुआत हो सकती है ताकि क्रिसमस तक इस वर्ग को सुरक्षा कवच मुहैया कराए जा सके। फाइजर के अध्ययन को ऑनलाइन प्रकाशित किया गया। उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) दिन में ही कंपनी के सुरक्षा और प्रभाव संबंधी आंकड़ों की स्वतंत्र समीक्षा प्रकाशित करेगा। एफडीए के सलाहकार सार्वजनिक रूप से सबूतों पर अगले सप्ताह बहस करेंगे। यदि एजेंसी अंततः टीके को मंजूरी देती है तो रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) इस बात का अंतिम फैसला लेगा कि इस टीके को किसे दिया जाना चाहिए। फाइजर के टीके को पहले ही 12 से अधिक आयु के लोगों के लिए अधिकृत किया जा चुका है किंतु बाल रोग विशेषज्ञ और कई अभिभावक अधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के मद्देनजर छोटे बच्चों के लिए टीके का उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे है, ताकि बच्चों को स्कूल भेजने में मदद मिल सके। अमेरिका में 25 हजार से अधिक बाल रोग चिकित्सक और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने वाले बच्चों को टीका देने का करार कर चुके हैं। फाइजर ने यह आकलन 2,268 बच्चों पर किए अध्ययन के आधार पर किया है। अध्ययन में शामिल बच्चों को तीन सप्ताह के अंतर पर प्रायोगिक औषधि या टीके की कम मात्रा वाली खुराक दी गई। प्रत्येक खुराक की मात्रा किशोरों और वयस्कों को दी जा रही खुराक की एक तिहाई थी। अनुसंधानकर्ताओं की गणना के मुताबिक टीके की कम मात्रा 91 प्रतिशत तक इस आयु वर्ग के बच्चों में प्रभावी है। अध्ययन में भी यह भी पता चला कि इन बच्चों में कोई दुष्प्रभाव नहीं हुआ बल्कि बिना टीका नहीं लगवाने वाले समकक्षों के मुकाबले हल्के लक्षण उभरे। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक छोटे बच्चों को टीके की सीमित खुराक देने पर भी किशोरों और वयस्कों की तरह कोविड-19 से मुकाबला करने के लिए उनके शरीर में एंटीबॉटी विकसित हुई। गौरतलब है कि सीडीसी ने इस सप्ताह के शुरुआत में जारी रिपोर्ट में कहा था कि जून और सितंबर में डेल्टा स्वरूप के प्रसार के

दौरान फाइजर का टीका 12 से 18 साल आयुवर्ग के लोगों में 93 प्रतिशत तक प्रभावी रहा और संक्रमण के बावजूद अस्पताल में भर्ती होने से बचाया। फाइजर ने अपने अध्ययन में पाया कि छोटे बच्चों में टीके की कम खुराक सुरक्षित है लेकिन हाथ में सूजन, बुखार और दर्द जैसे अस्थायी लक्षण उभर सकते हैं। गौरतलब है कि मॉडर्ना भी बच्चों पर अपने कोविड-टीके का परीक्षण कर रही है और इस साल के अंत तक उसके अध्ययन के परीणाम आने की उम्मीद है।

रियलमी ने माधव शेठ को आईबीयू के अध्यक्ष के रूप में किया पदोन्नत

नई दिल्ली।

स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने शुक्रवार को कहा कि उसने माधव शेठ को इंटरनेशनल बिजनेस यूनिट (आईबीयू) के अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया है, जिन्हें स्मार्टफोन उद्योग में पहले भारतीय वैश्विक सीईओ के रूप में जाना जाता है। शेठ अब कंपनी के विदेशी व्यापार संचालन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे और सीधे रियलमी के संस्थापक और सीईओ स्काई ली को रिपोर्ट करेंगे। ली ने एक बयान में कहा, शेठ ने अतीत में रियलमी के विदेशी व्यापार के विकास में जबरदस्त योगदान दिया है और हमें पूरा विश्वास है कि भविष्य में, वह रियलमी को नई सफलताएं दिलाने और रियलमी के उत्पादों को लीप-फॉरवर्डतकनीकों और ट्रेंड-सेटिंग डिजाइनों के साथ और दुनिया भर के युवाओं को अधिक तक लाएंगे। शेठ अफ्रीका, एशिया प्रशांत (मुख्य भूमि चीन को छोड़कर), मध्य और पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और पश्चिमी यूरोप में रियलमी के व्यवसाय संचालन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। रियलमी की स्थापना 2018 में शेठ और ली ने की थी। भारत में पैदा हुए एक ब्रांड, रीयलमी ने केवल तीन वर्षों में बड़े पैमाने पर विकास किया, क्योंकि यह दुनिया भर के 61 बाजारों में फैल गया। रियलमी हाल ही में वैश्विक स्तर पर छठा शीर्ष स्मार्टफोन विक्रेता बन गया, जिसने 2021 की दूसरी तिमाही में 1.5 करोड़ शिपमेंट और 134 प्रतिशत (ऑन-ईयर) की वृद्धि दर्ज की। कंपनी का लक्ष्य 2022 के अंत तक एक और 100 मिलियन हैंडसेट की शिपिंग करके और 2023 कैलेंडर वर्ष के भीतर

उसी मील के पत्थर को पूरा करके दोहरे 100 मिलियन लक्ष्य को प्राप्त करना है। कंपनी ने कहा कि शेठ के स्मार्टफोन उद्योग में पहले भारतीय वैश्विक सीईओ के रूप में उभरने के साथ यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इंस्टाग्राम ने लॉन्च किए तीन नए इफेक्ट्स, यूजर्स को रील एडिट करने में करेगा मदद

नई दिल्ली।

फेसबुक के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम ने शुक्रवार को तीन नए इफेक्ट्स लॉन्च किए, जो यूजर्स को म्यूजिक पर आधारित रील को एडिट करने और ऑन-स्क्रीन लिरिक्स कराने में मदद करेगा। सुपरबीट, डायनेमिक लिरिक्स और 3डी लिरिक्स- ये नए इफेक्ट्स क्रिएटर्स को रीलों पर म्यूजिक और एआर इफेक्ट को एक साथ करने में आसान तरीका देगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, लोग मनोरंजक और मजेदार रील बनाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर उनके पास संपादन खर्च करने का समय नहीं होता है। आज हम तीन नए इफेक्ट लॉन्च कर रहे हैं, जो संगीत के आधार पर उनकी रील में स्वचालित रूप से संपादन करके और स्क्रीन पर उतार करके उनकी मदद करेंगे। इन फीचर्स को यूज करने के लिए यूजर्स को केवल इंस्टाग्राम पर रील कैमरा खोलना होगा और इफेक्ट ट्रे/गैलरी को खोलना होगा। यूजर्स को इफेक्ट का चयन करना होगा और यहां तक कि एक गीत का चयन करने के लिए संगीत पिकर का उपयोग भी कर सकते हैं। इस बीच, कंपनी ने हाल ही में कोलैब्स के लॉन्च की घोषणा की है। इंस्टाग्राम ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग कैसे जुड़ते हैं, इसका एक बड़ा हिस्सा सहयोग करना है। कंपनी ने कहा, कोलैब्स के साथ, आप अपने फीड पोस्ट और रीलों पर एक सहयोगी को आमंत्रित कर सकते हैं और अपने अनुयायियों के साथ कंटेंट शेयर कर सकते हैं।

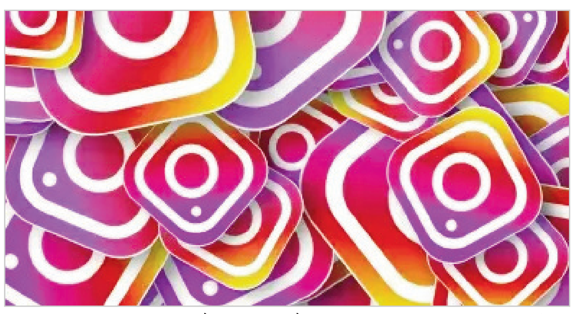

सेबी का फरमान, डिजिटल गोल्ड में डील न करें निवेश सलाहकार

बिजनेस डेस्क:

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश सलाहकारों से कहा है कि वे डिजिटल सोने में डील करने से परहेज करें। सेबी ने कहा है कि डिजिटल गोल्ड एक अन-रेगुलेटेड प्रोडक्ट है, इसमें डील ना की जाए।सेबी ने कहा था कि कुछ रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार सोने सहित अन-रेगुलेटेड प्रोडक्ट्स को खरीदने और बेचने की गतिविधि में लगे हुए हैं, जबकि ऐसा करना नियमों के खिलाफ है। सेबी का यह बयान दिवाली से ठीक पहले आया है। बाजार के लगातार चढ़ते मूड़ और सोने की कीमतों में उछाल को देखते हुए लोग सोने में निवेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं और तमाम निवेश सलाहकार निवेशकों को लगातार सोने में निवेश की सलाह दे रहे हैं और निवेश के लिए मंच भी प्रदान कर रहे हैं। बता दें कि पिछले 26 अगस्त को एक्सचेंजों ने स्टॉक ब्रोकर्स को डिजिटल गोल्ड में डील करने पर रोक लगा दी थी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने स्टॉक ब्रोकर्स सहित अपने सदस्यों को 10 सितंबर तक अपने प्लेटफॉर्म पर डिजिटल गोल्ड की बिक्री बंद करने का निर्देश दिया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एक्शन के बाद भी सेबी ने पाया था कि कुछ पंजीकृत निवेश सलाहकार डिजिटल सोना समेत अनियमित उत्पादों को खरीदने, बेचने या कारोबार करने के लिए एक मंच प्रदान कर रहे हैं।

सेबी का बयान

सेबी ने कहा कि निवेश सलाहकार डिजिटल गोल्ड के लिए सलाह, वितरण या निवेश से जुड़ी सेवाएं नहीं दे सकते हैं और इस तरह की अनियमित गतिविधियां सेबी अधिनियम, 1992 के तहत दंडात्मक कार्रवाई के तहत आती हैं। सेबी ने कड़े शब्दों में कहा है कि निवेशक सलाहकारों द्वारा डिजिटल गोल्ड में निवेश को लेकर सलाह और निवेश जुड़े कामों में शामिल होना सेबी एक्ट 1992 और सेबी के 2013 के रेगुलेशन के खिलाफ है। इसलिए सेबी ने निवेश सलाहकारों से ऐसी अनियमित गतिविधियों से परहेज करने को कहा है।

क्या कहते हैं नियम

नियमों के तहत एक्सचेंज के सभी सदस्यों को सिक्युरिटीज और कमोडिटी डेरीवेटिव्स के अलावा कोई और कारोबार नहीं करना चाहिए। अगर वे ऐसा करते हैं तो ये नियमों का उल्लंघन होगा। पेटीएम मनी एक निवेश सलाहकार के रूप में रजिस्टर्ड है। पेटीएम मनी ने 10 सितंबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि डिजिटल गोल्ड केवल 'पेटीएम' ऐप पर उपलब्ध होगा, ना कि पेटीएम मनी पर।

गूगल सर्च ने एंड्रॉइड और आईओएस पर दैनिक शब्द नोटिफिकेशन्स को जोड़ा

सैन फ्रांसिस्को।

सितंबर में बड़े बदलावों का पूर्वावलोकन करने के बाद, गूगल सर्च को अब एक अधिसूचना सुविधा मिल रही है जो उपयोगकर्ताओं को हर दिन एक नया शब्द सीखने में मदद करेगी। 9टु5 गूगल के अनुसार, सर्च के कई बिल्ट-इन टूल में से एक डिक्शनरी है। पिछले कुछ वर्षों में, यह उपयोगकर्ताओं को विभिन्न संदर्भों/क्षेत्रों में परिभाषाओं को देखने और विजुअल टूल के साथ उच्चारण करने के साथ-साथ माइक्रोफोन का उपयोग करके अभ्यास करने की क्षमता सीखने के लिए विस्तारित हुआ है। लेटेस्ट क्षमता नए शब्दों और उनके पीछे कुछ दिलचस्प तथ्य सीखने के लिए एक दैनिक नोटिफिकेशन्स भेजेगी। वे खबरें ओरिजिन सेक्शन और यूज ओवर टाइम ग्राफ से आती हैं। मोबाइल पर सर्च में डिक्शनरी टूल का उपयोग करते समय, प्रविष्टियां शीर्ष-दाएं कोने में एक घंटी आइकन दिखाएंगी। यह अन्य नॉलेज पैनल विषयों पर पाए जाने वाले के समान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गूगल संभवतः प्रत्येक खोज उपयोगकर्ता को एक ही शब्द सूचना नहीं भेज रहा है, लेकिन अगर यह वैश्विक टचपॉइंट के रूप में काम करता है तो यह मनोरंजक होगा। मोबाइल अधिसूचना शब्द और परिभाषा को नोट करती है, जबकि एक टैप से पूर्ण खोज परिणाम खुल जाता है। यह सुविधा एंड्रॉइड और आईओएस पर गूगल ऐप्स के साथ-साथ मोबाइल वेब संस्करणों में भी उपलब्ध है।

टी-20 वर्ल्ड कप : भारत का वर्ल्ड कप जीतना है पक्का!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 वर्ल्ड कप इस बार भारत ही जीतने वाला है क्योंकि इस समय भारत दुनिया की सबसे खतरनाक टीम है. ये बात हम नहीं कह रहे बल्कि कई क्रिकेट दिग्गज कह रहे हैं. इसमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट भी शामिल हैं. इस समय दुबई में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो चुका है. 17 अक्टूबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारत का पहला मैच 24 अक्टूबर को होना है. पहले ही मैच में भारत अपने चिर प्रतिद्वंवदी पाकिस्तान से भिड़ेगी. हालांकि टी-20 वर्ल्ड कप का अभी शुरुआती दौर है लेकिन कौन सी टीम खिताब जीतेगी इसे लेकर तमाम कयास लग रहे हैं. सभी क्रिकेट प्रेमी और पूर्व क्रिकेटर अपने-अपने कयास लगा रहे हैं. कंपटीशन में आस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें हैं.

इसी बीच आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने कहा है कि भारत इस बार टी-20 वर्ल्ड कप खिताब का सबसे बड़ा दावेदार है. स्टीव स्मिथ ने प्रैक्टिस मैच में भारत के खिलाफ शानदार अर्धशतक लगाया था और भारत के खिलाफ से ज्यादा स्कोर किया था. उन्होंने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत इस समय खिताब जीतने की सबसे प्रबल दावेदार है. भारत के सभी खिलाड़ी दुबई में ही आईपीएल खेल चुके हैं और यहां की परिस्थितियों से वाकिफ हैं.

वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके इंजमाम उल हक ने भी कहा है कि इस समय खिताब की सबसे प्रबल दावेदार भारतीय टीम है. उन्होंने अपने बयान में कहा है कि भारत इस समय सबसे खतरनाक टीम है. सबसे बड़ी बात यूएई और ओमान की परिस्थितियों में ट्रॉफी उठाने का सबसे बड़ा मौका भारत के पास है. इंजमाम ने कहा कि वैसे तो सभी टीमों के पास खिताब जीतने का मौका है लेकिन सबसे ज्यादा मौका भारत के पास है. इंजमाम उल हक ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में भारत की शानदार बल्लेबाजी दिखी. आस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ 153 रन का पीछा करते हुए भारत को विराट जैसे बल्लेबाज की जरूरत नहीं थी. यह दिखाता है कि इन परिस्थितियों में भारत सबसे खतरनाक टीम है.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो जुड़ेंगे इस आईपीएल टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मेनचेस्टर यूनाइटेड को दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों में से एक माना जाता है. साथ ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो इसके लिए खेलते हैं. इंग्लैंड में मेनचेस्टर यूनाइटेड का मालिकाना हक प्रसिद्ध अमेरिकी व्यापारिक परिवार ग्लेज़र्स के पास है. और अब खबर ये है कि ग्लेज़र्स परिवार आईपीएल में शामिल होने वाली दो नई टीमों में से किसी एक को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहा है. मीडिया के अनुसार, ग्लेज़र्स ने अगले साल की नीलामी से पहले फ्रैंचाइज़ी खरीदने के लिए इनविटेशन टू टेंडर भी खरीदे हैं. हालांकि, एक बात साफ कर दें कि है कि इनविटेशन टू टेंडर खरीदने का मतलब ये नहीं है कि ग्लेजर्स आईपीएल टीम के लिए बोली लगाएगी. अडानी ग्रुप, आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप, हिंदुस्तान टाइम्स मीडिया, जिंदल स्टील और तीन निजी कंपनियों ने भी इन टीमों के लिए बोली दस्तावेज खरीदे हैं.

आपको बताते चलें कि बीसीसीआई ने आईटीटी में कुछ कड़े रुल्स बनाए हैं. मसलन, टीमों के लिए बोली लगाने वाली कंपनी का औसत टर्नओवर 3,000 करोड़ होना चाहिए. और अगर पर्सनल है तो उस व्यक्ति की पर्सनल नेटवर्थ 2500 करोड़ होनी चाहिए. साथ ही इसमें एक नियम है कि बोली लगाने वाले पक्ष को ये ध्यान रखना होगा कि अगर वे जीतते हैं तो उन्हें भारत में एक कंपनी स्थापित करनी होगी.

तो ऐसे में साफ है कि विदेशी निवेशक इन शर्तों को अगर पूरा करते हैं तो वो बोली लगा सकते हैं. हालांकि मैनचेस्टर यूनाइटेड बोली लगाने के लिए मेज पर आएंगे या नहीं, इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है. लेकिन एक बात साफ है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड ने दिलचस्पी दिखाई है, इसी को देखते हुए बीसीसीआई ने समय सीमा को बढ़ा दिया था. आईपीएल अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा, आईपीएल अब ग्लोबल हो गया है. इसके अलावा डिज़्नी ने भी इनविटेशन टू टेंडर में रुचि दिखाई है. लेकिन इनके साथ भी यही स्थिति है कि मेज पर आएंगे या नहीं.

आपको बताते चलें कि साल 2022 से आईपीएल में 10 टीमें खेलेंगी. बीसीसीआई ने भी हाल ही में दो टीमों को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी. आईपीएल की ब्रांड वैल्यू की बात करें तो ये 5 ट्रिलियन रुपये से भी ज्यादा है.

अगर इस सवाल की बात करें कि ग्लेज़र्स क्यों आईपीएल की टीम खरीदना चाहता है. तो देखिए क्रिकेट टीम से जुड़ने पर जाहिर तौर पर ग्लेज़र्स को एक नया बाजार मिलेगा. जिससे उनका मार्केट में इजाफा होगा ही.

नई आईपीएल टीम के लिए बोली लगा सकते हैं रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण: रिपोर्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सीजन में प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए 10 टीमों का मुकाबला होना तय है और बॉलीवुड की सुपरस्टार जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के दो नई टीमों के लिए बोली लगाने की जंग में शामिल होने की संभावना है। 2022 सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी का होना तय है, जिससे टीमों की संख्या आठ से बढ़कर 10 हो जाएगी। आईपीएल संचालन निकाय ने आगामी सत्र के लिए दो नई टीमों के अधिकार हासिल करने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। जैसे-जैसे घोषणा की तारीख दिन-ब-दिन करीब आती जा रही है, दुनिया के कई बड़े दिग्गजों ने टीमों के लिए बोली लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। खबरों के मुताबिक, बॉलीवुड सुपरस्टार जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक टीम के मालिक होने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिससे पता चलता है कि टीमों के मालिक होने की दौड़ अब पहले से कहीं ज्यादा बड़ी हो चुकी है। वर्तमान में, अदानी समूह, आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्लेजर परिवार नई टीमों के मालिक बनने की दौड़ में हैं। रुचि दिखाने वाले अन्य बोलीदाताओं के नाम टोरेंट फार्मा और अरबिंदो फार्मा जैसी फार्मा कंपनियां हैं। सिंगापुर स्थित एक निजी इक्विटी फर्म और अमेरिका स्थित उद्यम पूंजीपतियों ने भी रुचि दिखाई है, जबकि नवीन जिंदल (जिंदल पावर एंड स्टील) और उद्यमी रोनी स्क्रूवाला के भी इसमें शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। परिणाम दुबई में 25 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे, जो अब तक के सबसे प्रतीक्षित क्रिकेट मैच के एक दिन बाद घोषित होंगे, जब भारत बनाम पाकिस्तान के बीच आईसीसी विश्व टी-20 का महामुकाबला होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप भारत/पाकिस्तान : सिडनी के स्वर्णिम सफर का दुबई में दिख सकता है दबदबा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत ने 4 मार्च 1992 को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप में जो शानदार सफर शुरू किया था, वह 24 अक्टूबर को दुबई में एक नए मुकाम पर पहुंचने के लिए तैयार है।

विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम को क्रिकेट के दोनों प्रारूपों के विश्व कप में पिछले 30 साल और 12 मैचों से चला आ रहा अपना विजय अभियान दुबई में भी जारी रखने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यह आंकड़ा ही भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और पाकिस्तानी क्रिकेटरों को हतोत्साहित करने के लिए पर्याप्त है कि भारत ने दोनों प्रारूपों के विश्व कप में हमेशा पाकिस्तान को हराया है। इन दोनों टीमों के बीच 50 ओवरों के विश्व कप में 7 मैच खेले गए हैं और इन सभी में भारत ने जीत दर्ज की। टी-20 विश्व कप की शुरुआत 2007 में हुई और तब से इन दोनों टीमों के बीच जो 5 मैच खेले गए उनमें से 4 मैच भारत ने जीते। एक मैच (डरबन, 2007) टाई रहा लेकिन उसे भी बॉल आउट में भारत ने जीता था। भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में जोहानिसबर्ग में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 रन से हराया था। टी-20 विश्व कप 2012 में कोलंबो में भारत ने अपने इस प्रतिद्वंद्वी को 8 विकेट से, इसके दो साल बाद ढाका में 7 विकेट से और कोलकाता में 2016 में 6 विकेट से हराया था। इस तरह से भारत का पाकिस्तान के खिलाफ वनडे विश्व कप में रिकॉर्ड 7-0 और टी-20 विश्व कप में 5-0 है। इन मैचों में भारत %टॉस का बॉस% भी बना था। उसने 12 मैचों में से 8 मैचों में टॉस जीता था और दुबई में भी टॉस की भूमिका अहम हो सकती है। वैसे भारत ने पाकिस्तान से विश्व कप (दोनों प्रारूप) में 7 मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए जीते। जो मैच टाई छूटा था उसमें भी भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया गया था।

अगर सभी टी-20 मैचों की बात की जाए तो उसमें भी भारत का पलड़ा भारी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें से 6 में उसे जीत मिली। एक मैच टाई रहा जबकि एक मैच उसने गंवाया। भारत ने पाकिस्तान से पिछले चारों टी-20 मैच जीते हैं। इनमें से आखिरी मैच 2016 में कोलकाता में टी-20 विश्व कप के दौरान खेला गया था। अगर हालिया रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने इस साल 8 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उसने इंग्लैंड को 5 मैचों की श्रृंखला में 3-2 से हराया। श्रीलंका दौरे पर भले ही 1-2 से श्रृंखला हार गया लेकिन उस टीम में कई शीर्ष खिलाड़ी शामिल नहीं थे। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इस साल जो 17 टी-20 मैच खेले, उनमें से 9 में उसे जीत और 5 में हार मिली। तीन मैचों का परिणाम नहीं निकला।

बैडमिंटन: सिंधु डेनमार्क ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची, श्रीकांत हुए बाहर

ओडेंस। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने गुरुवार को यहां ओडेंस स्पोर्ट्स पार्क में थाइलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को डेनमार्क ओपन में हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। हालांकि, भारत को एक झटका लगा जब किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सके, वो पहले गेम में कड़ी टक्कर के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया के नंबर 1 केंटो मोमोटा से हार गए। 43 मिनट तक चले मैच में श्रीकांत जापानी स्टार से 21-23, 9-21 से हार गए। हैदराबाद की 26 वर्षीय सिंधु, जो यहां चौथी वरीयता प्राप्त हैं, वो 21-16, 12-21, 21-18 से जीतकर अंतिम-आठ चरण में पहुंच गई जहां वह दक्षिण कोरिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त एन सेयॉन्ग से भिड़ेगी।सिंधु ने बुसानन के खिलाफ आक्रमक शुरुआत की और लीड बना लिया। उन्होंने थाई की खिलाड़ी पर लगातार अपने आक्रमक शॉट्स से दबाव बनाए रखा। सिंधु ने थाई खिलाड़ी के खिलाफ लगातर आठ अंक बटोरा और दूसरे दौर में प्रवेश किया। दूसरे में बुसानन ने शानदार खेल दिखाया और सिंधु को वापसी करने का मौका नहीं दिया। बुसानन ने लगतार सिंधु के खिलाफ बढ़त बनाती रही और उन्हें वापसी करने का मौका नहीं दिया। खेल का अंतिम चरण काफी रोमांचक रहा, दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे के खिलाफ लगातर अंक बटोरे पर सिंधू ने बढ़त बना कर बुसानन को 21-18 से हरा दिया।

कार्तिक ने कहा- भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीतने का प्रबल दावेदार

दुबई (एजेंसी)।

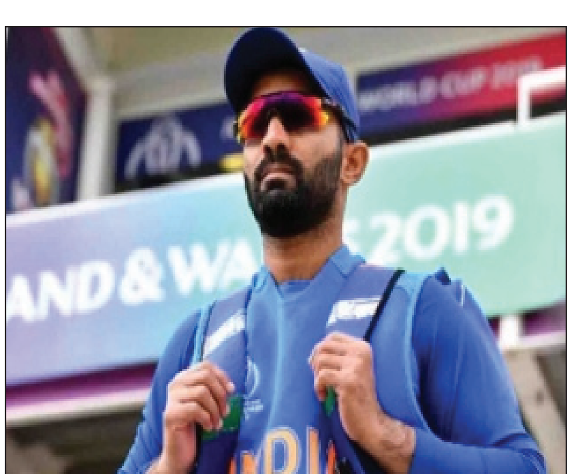

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि दुबई में टी20 विश्व कप में रविवार को भारत पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच जीतने का प्रबल दावेदार है।

कार्तिक ने कहा कि भारतीय टीम अधिक प्रतिभाशाली है और खिलाड़ी भी अच्छे फॉर्म में हैं। रविवार को दुबई में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

कार्तिक ने एबीपी न्यूज द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहा, भारत पहले से एक मजबूत टीम है और खिलाड़ी अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं। इसलिए भारत का पलड़ा भारी है। वहीं, भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने दिनेश कार्तिक के विचारों से सहमति जताई और कहा कि भारत की स्थिति पाकिस्तान से अच्छी है। उन्होंने इस ओर भी इशारा किया कि भारत के ज्यादातर खिलाड़ी हाल ही में हुए आईपीएल के मैचों में इन्ही जगहों पर खेले हैं। कपिल देव ने बताया कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अहम भूमिका निभा सकते हैं और मैं चाहता हूं कि बुमराह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनें।

टी-20 वर्ल्ड कप: श्रीलंकाई शीर्षक्रम के पास वापसी का आखिरी मौका, बल्लेबाजों के पास होगा खुलकर खेलने का अवसर

शारजाह। (एजेंसी)।

सुपर 12 में जगह बना चुकी श्रीलंकाई टीम के पास शुक्रवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ टी-20 विश्व कप ग्रुप 'ए' के आखिरी लीग मैच में अपनी शीर्षक्रम की बल्लेबाजी में सुधार का आखिरी मौका होगा।

पूर्व चैम्पियन श्रीलंका ने नामीबिया और आयरलैंड को आसानी से हराकर सुपर 12 में जगह बना ली लेकिन कुसल परेरा और दिनेश चांदीमल का खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। दोनों 2 मैचों में 11-11 रन ही बना सके। अब सुपर 12 में मजबूत टीमों के खिलाफ इस तरह के प्रदर्शन से दाल नहीं गलने वाली। अब श्रीलंका पर क्वालीफिकेशन का दबाव नहीं है तो उसके बल्लेबाजों के पास खुलकर खेलने का मौका होगा। तेज गेंदबाज चमिका करुणारत्ने और दुष्मंत चामीरा ने अनुशासित गेंदबाजी की है जबकि स्पिनर वानिंदु हसरंगा भी फॉर्म में हैं। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों के जौहर दिखाते हुए आयरलैंड के खिलाफ 71 रन बनाए। ऑफ स्पिनर महीष थीकशाना के साथ वे फिरकी के जौहर दिखाने को बेताब होंगे। अविष्का फर्नांडो ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। भानुका राजपक्षा को साबित करना होगा कि वह सही मायने में मैच विनर हैं। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास यह किसी शीर्ष टीम के खिलाफ अनुभव हासिल करने का मौका है। अभी तक वह अपना शीर्ष प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। गेंदबाजों की अनुभवहीनता का खामियाजा उसे नामीबिया के खिलाफ भुगतना पड़ा, जब डेविड वीसे ने अकेले दम पर मैच उनसे छीन लिया। बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडाउड को छोड़कर कोई प्रभावित नहीं कर सका है। रियान टेन डोइशे का खराब फॉर्म टीम को खल रहा है।

आखिरकार एक टीम पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने को हुई राजी, अगले महीने होगी सीरीज

इस्लामाबाद। वेस्ट इंडीज की महिला क्रिकेट नवंबर में पाकिस्तान का दौरा करेगी। यहां वह मेजबान पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। सभी मैच कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। पाकिस्तान टीम की कमान जावेरिया खान संभालेंगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'हमें नवंबर में वेस्ट इंडीज की महिला क्रिकेट के पाकिस्तान दौरे की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह पाकिस्तान में महिला क्रिकेट के प्रचार, प्रचार और विकास के लिए एक शानदार श्रृंखला होगी, जो दोनों टीमों को विश्व कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए अच्छा अवसर भी देगी।

महिला टीम के दौरे के बाद वेस्ट इंडीज की पुरुष टीम दिसंबर में तीन वनडे और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों को इस साल के अंत में कुछ रोमांचक और मनोरंजक क्रिकेट देखने को मिल सकता है।

आगामी आठ नवंबर को पहले वनडे के साथ दौरे की शुरुआत होगी। सीरीज खत्म होने के बाद पाकिस्तान और वेस्ट इंडीज की महिला टीम 21 नवंबर से पांच दिसंबर तक होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए जिम्बाब्वे की यात्रा करेगी। समझा जाता है कि वेस्ट इंडीज की टीम एक नवंबर को कराची पहुंचेगी। वहीं पाकिस्तानी टीम संबंधित होटल में शिफ्ट होने से पहले 23 अक्टूबर से पांच नवंबर तक कराची के हनीफ मोहम्मद हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण शिविर में रहेगी।

आयरलैंड और नामीबिया के बीच होगा 'करो या मरो' का मुकाबला

शारजाह। (एजेंसी)।

नामीबिया और आयरलैंड टी-20 विश्व कप ग्रुप 'ए' के आखिरी लीग मैच में शुक्रवार को एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे तो उनके लिए यह सुपर 12 की दौड़ के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला होगा। दोनों टीमें श्रीलंका से हार चुकी हैं जबकि नीदरलैंड्स को हराया है। दोनों के 2-2 अंक हैं। श्रीलंका सुपर-12 में पहुंच चुकी है और नीदरलैंड्स दौड़ से बाहर हो चुकी है। अब इस मैच के विजेता से अगले दौर में जाने वाली ग्रुप 'ए' की दूसरी टीम का निर्धारण होगा।

आयरलैंड को बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिन्होंने पहले मैच में डच टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। कप्तान एंड्रयू बालबर्नी के अलावा श्रीलंका के सामने उसका कोई बल्लेबाज नहीं चल सका और टीम 70 रन से हार गई।

तेज गेंदबाज कुर्टिस कैम्फर (4 विकेट), जोशुआ लिटिल (5 विकेट) और मार्क एडेर (5 विकेट) ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और इनसे एक बार फिर इस प्रदर्शन के दोहराव की उम्मीद होगी। शुक्रवार के मैच के बारे में बालबर्नी ने कहा कि हम उत्साहित हैं। हम नॉकआउट चरण में खेलना चाहते हैं, क्योंकि बचपन से जब से खेलना शुरू किया, इसी तरह के मैच खेलने का सपना होता है।

उन्होंने कहा कि हमने डच टीम के खिलाफ शुरुआत अच्छी की लेकिन पिछला मैच हार गए। अब उस हार को भुलाकर अच्छा खेलना होगा। दूसरी ओर नीदरलैंड्स के खिलाफ विश्व कप में पहली जीत दर्ज करके नामीबिया के हौसले बुलंद होंगे। पहले मैच में 96 रन पर आउट होने वाले नामीबिया के बल्लेबाजों ने 165 रन का लक्ष्य 1 ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। अनुभवी हरफनमौला डेविड वीसे ने शानदार प्रदर्शन किया, जो उसे वे दोहराना चाहेंगे।

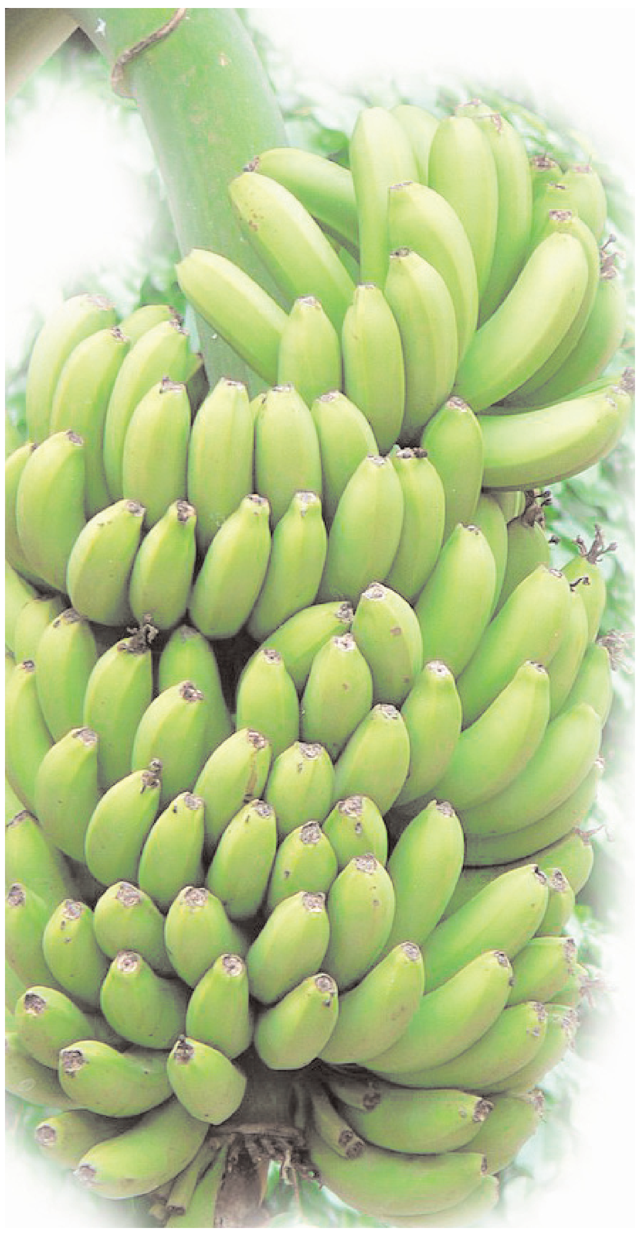

केले से आये बहार

(1) एच-1 (अग्निस्वार+पिसांग लिलिन)

यह लीफ स्पॉट फ्यूजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आती है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री

केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंत:भूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति

खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल

कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45345345 से.मी. आकार के गढ्डे खोदें प्रत्येक गढ्डे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्डे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें.

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि- केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफा पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छ: माह के अंदर चार बार में दें.

अंतरवर्तीय फसल

- मृग बहार :- इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.
- कांदा बहार- इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.
- फसल में सस्य क्रियाएं :- केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है. जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.
- मल्चिंग- जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है. प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.
- अंत:भूस्तरी (सकर्स) निकालना:- जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नर मादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.
- सहारा देना- जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना- केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन- केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है.

उन्नति का जरिया

अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन

सकर: पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशत: किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन: फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अत: पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

स्वादिष्ट खीरा उगाने की कला

- जलवायु :- खीरा गर्म मौसम की फसल है। यह पाला सहन नहीं कर सकता है। तापमान अधिक कम होने पर इसका विकास अवरूद्ध हो जाता है। इसे पर्याप्त मात्रा में सूरज की रोशनी मिलनी चाहिये। खीरे की अच्छी वृद्धि और उपज के लिये तापमान 20-26 डिग्री सेन्टीग्रेड होना अच्छा पाया गया है।

- भूमि :- खीरे को सभी प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है। फिर भी अच्छे उत्पादन के लिये उत्तम जल निकास वाली दोमट और रेतीली दोमट भूमि उपयुक्त रहती है। ऐसी भूमि जिसमें जैविक पदार्थ अच्छी मात्रा में उपलब्ध हो वह खीरे के लिये बढ़िया होती है। भूमि का पी.एच. मान 5.5 से 6.8 के बीच होना चाहिये। खेत में पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करके 2-3 जुताई देशी हल से कर लें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी को भुरभुरा समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में :-

- जापानी लांग ग्रीन :- यह किस्म 45 दिनों में तैयार हो जाती है। इसके फल 30-40 से.मी. लंबे और हरे रंग के होते हैं।
- स्ट्रेट 8 :- फल साधारण, लंबे, मोटे, सीधे एवं बेलनाकार होते है।
- पोइनसट :- यह किस्म मृदुरोमिल रोग की प्रतिरोधी है।
- चायना :- यह अधिक उपज देने वाली किस्म है, इसके फल 50 से.मी. लंबे, सीधे एवं बेलनाकार होते हैं।
- पूसा संयोग :- यह अधिक उपज देने वाली अगेती किस्म है। यह 50 दिनों में तैयार हो जाती है, फल 22-30 से.मी. लंबे और बेलनाकार गहरे हरे रंग के होते हैं।
- इनके अलावा हिंमागी, पूसा खीरा, भीतल, प्रिया, पूसा, उदय, स्वर्ण पूर्णा आदि भी प्रचलित किस्में हैं।
- बोआई का समय :- इसे गर्मी तथा बरसात दोनों ही मौसम में लगाया जा सकता है। गर्मी की फसल की बोआई जनवरी से मार्च तक की जाती है तथा बरसाती फसल के लिये बोआई जून-जुलाई में की जाती है। बीज को बोने से पहले पानी में डुबाकर रख लें या 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन से उपचारित कर लें, जिससे बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है। बीज के पंक्तियों में बोना चाहिये। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 150 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 60-90 से.मी. रखना चाहिये। बरसात में थाले बनाकर बोआई करते हैं। प्रत्येक थाले में 3-4 बीज बोते है तथा बाद में एक-दो पौधों को ही रखते हैं।
- बीज दर :- एक हेक्टेयर के लिये 2.5-3.5 कि.ग्रा. बीज पर्याप्त होता है।
- खाद एवं उर्वरक :- खीरे में खाद एवं उर्वरकों की मात्रा उसकी किस्म, मृदा एवं जलवायु के हिसाब से विभिन्न होती है। फिर भी मोटे तौर पर निम्नलिखित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों को प्रति हे. की दर से मृदा में मिलाया जा सकता है। गोबर खाद 370-490 क्विंटल, यूरिया 87 किलो सिंगल, सुपर फास्फेट 250 किलो, तथा म्यूरेट आफ पोटाश 167 किलो/हे. खेत तैयार करते समय गोबर खाद को मृदा में भली-भांति मिला दें। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा खेती की तैयारी में अच्छी तरह मिला लें नत्रजन की बची हुई आधी मात्रा फलन शुरू होने दें.
- सिंचाई :-बोआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई कर दें,

लगायें तरबूज-खरबूज

गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

पहली पद्धति

नदी की रेतीली भूमि (रिवर बेड) में तरबूज एवं खरबूज की बोआई हेतु गड्ढा पद्धति अपनाया जाता हैं। इस विधि में कतार से कतार की दूरी तथा पौधे से पौधे की बीच की दूरी 2-3 मी. रखी जाती है। गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

दूसरी पद्धति

इस पद्धति में दियारा भूमि में कद्दूवर्गीय फसलों का उत्पादन करने के लिये 3 मीटर के अंतराल में 1 मीटर चौड़ी एवं 30 से.मी. मीटर गहरी ट्रेच या गड्ढा तैयार किया जाता है। यह पद्धति उन स्थानों पर तैयार किये जाते हैं, जहां कि ऊपरी 2 मीटर का रेत अन-उपजाऊ होता है। टेंच तैयार करने के पश्चात पहली पद्धति के समान ही खाद कम्पोस्ट एवं उर्वरक की सुझाई गई मात्रा से ट्रेंच को भर दिया जाता है ट्रेंच में नीम की खली एवं सरसों की खली भी डालें। पलवार द्य पलवार बिछावन के उपयोग से अच्छा अंकुरण होता है।

द्य बीजों की बोवाई करने के पश्चात पैरा या खरपतवारों के अवशेष का पलवार (मल्चिंग) अवश्य बिछायें। जिससे मृदा की नमी एवं तापमान नियंत्रित रहे। जब तरबूज एवं खरबूज के पौधे एक मीटर लम्बे हो जायें तब ट्रेंच से निकले रेत को दो कतार के बीच में बराबर कर दें तथा खरपतवार के सूखे पत्तों को दो कतारों के बीच में फैला देना चाहिए. इन फसलों के फल बाजार में फरवरी-मार्च में भेजने लायक हो जाते हैं।

पादप वृद्धि नियामकों का उपयोग

वर्तमान में सब्जी फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी हेतु पादप वृद्धि नियामकों का छिड़काव किया जा रहा है। कद्दूवर्गीय फसलों में मादा पुष्प की संख्या को बढ़ाने में वृद्धि नियामक कारगर साबित हुए हैं तथा उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है। खरबूज में 250 पीपीएम ईथरेल का छिड़काव करने से फल धारण क्षमता में वृद्धि होती है। इसका छिड़काव पौधों में दो-तीन सत्य पत्ती अवस्था में की जाती है। तरबूज में रसायन टीआईबीए (25-250 पीपीएम), बोरॉन (3-4 पीपीएम), मोलिब्डेनम (3-4 पीपीएम) एवं कैल्शियम (20-25 पीपीएम)का छिड़काव करने से फल अधिक लगते है। इनका छिड़काव तरबूज में दो सत्य पत्ती अवस्था में किया जाता है। गुदा का रंग लाल होता है। इस किस्म के पौधों में फूल खिलने के 30-35 दिन बाद फल परिपक्व हो जाते हैं।

चीन में कोरोना की वापसी से दहशत : फिर से घरों में कैद हुए लोग, स्कूल बंद और उड़ानें हुई रद्द

बीजिंग। चीन में एक बार फिर से कोरोना वायरस की वापसी हो रही है। इससे लोग दहशत में हैं। कई फ्लाइटें रद्द हो चुकी हैं। स्कूल बंद किए जा रहे हैं। फिर से वही तस्वीर नजर आ रही है, लोग घरों में कैद हो रहे हैं। कुछ जगहों पर फिर से लॉकडाउन लगा दिया गया है। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस फैलाने वाले चीन में फिर से महामारी के प्रकोप बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि, सरकार महामारी के प्रसार को देखते हुए सख्ते में आ गई है। सरकार ने लोगों से जरूरी होने पर ही बाहर निकलने को कहा है। इसके अलावा वायरल से लड़ने के लिए सरकार ने बड़े स्तर पर टेस्टिंग शुरू कर दी है। मालूम हो कि चीन से ही पूरी दुनिया में कोरोना वायरस फैला था। अब एक चीन ने एक बार फिर सबकी टेंशन बढ़ा दी है।चीन में ये ज्यादातर मामले देश के उत्तरी

और उत्तरी पश्चिमी प्रांत से सामने आए हैं। सरकार ने इन इलाकों प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं। सामने आ रहे नए मामलों के लिए एक वृद्ध दंपती को जिम्मेदार बताया जा रहा है, जो एक टूरिस्ट ग्रुप का हिस्सा था। यह दंपति गांसू प्रांत के सियान और इन मंगोलिया में आया था। उनकी यात्रा के दौरान कई मामले दर्ज किए गए। बीजिंग समेत पांच प्रांतों में ऐसे संक्रमित लोग मिले हैं जो इस दंपती के सपर्क में आए थे।संक्रमण वाली जगहों पर मनोरंजन स्थलों पर भी ताले लगा दिए गए हैं। चीन में घरेलू स्तर पर अब तक कोरोना वायरस को नियंत्रित करके रखा गया लेकिन लगातार पांचवे दिन कोरोना के नए मामले देख देश की चिंता बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में 13 नए मामले सामने आए हैं। मगर सरकार ने इसके लिए कड़े कदम उठा लिए हैं ताकि हालात काबू में रहे।

मैक्सिको: अमेरिकी अभिनेता एलेक बाल्डविन ने फिल्म सेट पर चलाई गोली, सिनेमैटोग्राफर की मौत

मैक्सिको। न्यू मैक्सिको के एक फिल्म सेट पर शुक्रवार को अमेरिकी अभिनेता एलेक बाल्डविन ने महिला सिनेमैटोग्राफर को गोली मार दी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस घटना में फिल्म निर्देशक भी घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि यह घटना सेंटा-फे-फिल्म सेट पर हुई। बाल्डविन फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे थे। शूटिंग के दौरान बाल्डविन ने प्रॉप गन से गोली चला दी, जिससे महिला सिनेमैटोग्राफर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अभी तक इस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि वह घटना की छानबीन कर रही है।

बांग्लादेश: दुर्गा पूजा पंडाल में 'कुरान' रखने वाले शख्स की हुई पहचान, कोमिल्ला पुलिस ने किया गिरफ्तार

ढाका। दुर्गा पूजा पंडाल में 'कुरान' रखने वाले शख्स की पहचान हो गई है। कोमिल्ला की पुलिस ने उसे यहां के कॉक्स बाजार से गिरफ्तार किया। इस कथित घटना को अंजाम देने वाले शख्स की पहचान 35 वर्षीय इकबाल हुसैन के रूप में हुई है। हुसैन ने पिछले हफ्ते ढाका से लगभग 100 किलोमीटर दूर कोमिल्ला जिले के नानुआ दिघिर के एक दुर्गा पूजा पंडाल में कुरान की एक कॉपी रखी थी, जिसके बाद यहां हिंसा भड़क गई थी और इसमें तीन लोगों की जान चली गई थी।

कोमिल्ला की पुलिस ने पंडाल में लगे निगरानी कैमरों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के बाद हिंसा में इकबाल हुसैन को आरोपी माना। पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि इकबाल मस्जिद से कुरान की एक कॉपी लेकर दुर्गा पूजा स्थल तक जाता है। बाद में उसे भगवान हनुमान की एक मूर्ति के पास भीड़ के साथ चलते हुए देखा गया। कोमिल्ला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) फारूक अहमद ने बताया कि मामले में जिस व्यक्ति की तलाश की जा रही थी, उसकी पहचान हो गई है। उसका नाम इकबाल हुसैन है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस हिंसा के सिलसिले में कोमिल्ला पुलिस ने चार मामले दर्ज किए हैं और 41 गिरफ्तारियां की हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में से चार कथित तौर पर इकबाल हुसैन के सहयोगी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इकबाल की मां, अमीना बेगम ने बताया कि वह एक ड्रग एडिक्ट है और लगभग 10 साल पहले कुछ पड़ोसियों द्वारा उसके पेट में छुरा घोंपने के बाद से मानसिक रूप से बीमार है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने की अपनी सेना की तारीफ, कहा सबसे ताकतवर है हमारी आर्मी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा है कि उनके पास विश्व इतिहास की सबसे ताकतवर सेना है तथा चीन और रूस भी इसे बखूबी जानते हैं। बिडेन ने सीएनएन टाउन हॉल में गुरुवार को आयोजित बैठक में इस बात का जिक्र किया।

उन्होंने कहा , '' चीन और रूस समेत शेष दुनिया को पता है कि हमारे पास विश्व इतिहास की सबसे शक्तिशाली सेना है।'

बांग्लादेश: रोहिंग्या कैंप में गोलीबारी, सात लोगों की मौत, एक हमलावर पकड़ा गया

ढाका। बांग्लादेश के रोहिंग्या कैंप में शुक्रवार को बड़ी वारदात की खबर सामने आ रही है। यहां कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी गई।

इस हमले में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला रोहिंग्या कैंप स्थित मदरसे पर किया गया था, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं तीन लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सुबह तड़के हुए हमला

जानकारी के मुताबिक, हमला सुबह-सुबह चार बजे किया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके से एक हमलावर को

गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को हमलावर के पास से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद हुआ है। इसके बाद से लगातार पुलिस कैंपों में छापेमारी कर अन्य हमलावरों की तलाश कर रही है।

ब्रिटेन: महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अस्पताल में बिताई रात, बकिंघम पैलेस ने दी जानकारी

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने एक रात अस्पताल में बिताई थी, इसकी जानकारी बकिंघम पैलेस ने दी। पैलेस ने बयान में कहा कि कुछ दिनों के आराम के लिए चिकित्सकीय सलाह के बाद रानी को कुछ प्रारंभिक जांच के लिए बुधवार दोपहर में अस्पताल में भर्ती किया गया था।

वहां एक रात बिताने के बाद गुरुवार को दोपहर विंडसर कैसल लौट आई।

ब्रिटेन की घरेलू प्रेस एसोसिएशन समाचार एजेंसी ने कहा कि रानी का अस्पताल जाना पहले से तय नहीं था, क्योंकि उनके यहां थोड़े समय के लिए

रहने की उम्मीद थी लेकिन रात भर रुकना व्यावहारिक कारणों के लिए था। बता दें कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली रानी हैं वे 1952 से गद्दी पर बैठी हैं।

दक्षिण कोरिया ने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष रॉकेट का किया परीक्षण

सिलोल। दक्षिण कोरिया ने अपने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष रॉकेट का परीक्षण किया। इसे अधिकारियों ने उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रम की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि तीन-चरणों वाला नूरी रॉकेट 1.5 टन वजनी पेलोड को पृथ्वी से 600 से 800 किलोमीटर ऊपर कक्षा में ले जाने में सफल हो पाया या नहीं। यह पेलोड स्टेनलेस स्टील और एल्यूमिनियम से बना ब्लॉक है।

इस प्रक्षेपण की निगरानी दक्षिण कोरिया के रष्ट्रपति मून जेइ-इन कर रहे थे। हालांकि प्रक्षेपण में एक घंटे का विलंब

हुआ क्योंकि इंजीनियरों को रॉकेट के वाल्व जांचने में ज्यादा देर लगी। वहीं तेज हवाओं और मौसम की अन्य परिस्थितियों संबंधी चिंता भी थी, जो सफल प्रक्षेपण में बाधा बन सकती थी। देश की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह परीक्षण देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा।

देश 2030 तक चंद्रमा पर एक यान भेजने की भी योजना बना रहा है। इससे पहले 2009 में अपने पहले परीक्षण के दौरान उपग्रह को कक्षा से बाहर निकालने में विफल रहा जबकि 2010 में दूसरे परीक्षण के दौरान टेकऑफ के बाद उसमें धमाका हो गया।

उत्तर कोरिया का आरोप: एक खतरनाक टाइम बम के साथ छेड़खानी कर रहे हैं अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने कहा है कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) एक खतरनाक टाइम बम के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की ओर से यह बयान इसके हालिया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर हुई यूएनएससी की बैठक को लेकर सामने आया है। प्योंगयांग का दावा है कि इसने मंगलवार को एक नई बैलिस्टिक मिसाइल का एक पनडुब्बी से सफल परीक्षण किया था। इसके बाद यूएनएससी ने इसे लेकर एक बैठक की थी। इस बैठक में इस मिसाइल परीक्षण को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया गया था।उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका ने यूएनएससी की आपातकालीन बैठक बुलाकर उकसाने वाला कदम उठाया है। परीक्षण के समय हमारे दिमाग में या लक्ष्य अमेरिका नहीं था। लेख में कहा गया कि अमेरिका को हमारे परीक्षणों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। यूएनएससी की इस बैठक के बाद फ्रांस, आयरलैंड और एस्टोनिया ने इसे लेकर एक संयुक्त बयान जारी किया था और उत्तर कोरिया के खिलाफ सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

भारत इस्राइल संबंध: विदेश मंत्री जयशंकर बोले- शख्सियतों से परे दोनों देशों के संबंध

यरूशलम। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भारत-इस्राइल संबंध परिपक्व होकर बेहद सुखद स्थिति में पहुंच गए हैं कि अब वह शख्सियतों से परे जा चुके हैं। अपने पहले इस्राइल दौरे पर जयशंकर ने यह टिप्पणी एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में ये बात कही।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हम देश, राज्य व्यवस्था और समाज के रूप में संबंधों के एक उच्च शिखर पर पहुंच गए हैं। यह हर उस व्यक्ति की सफलता का प्रमाण है, जिसने इस परिवर्तन में योगदान दिया है। यह द्विपक्षीय रिश्ता एक तरह से शख्सियतों के परे जा चुका है। हालांकि आपसी संबंधों को ऊंचाई पर पहुंचाने वाले व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा, हमें उन लोगों की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने इसे संभव बनाया। शनिवार को प्रसारित होने वाले इस

साक्षात्कार में जयशंकर ने बताया कि वह इस्राइल में नई सरकार से सीधे बात करने आए थे।

2017 में पीएम मोदी के इस्राइल दौरे से द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी बढ़ी थी

जुलाई 2017 में पीएम नरेंद्र मोदी के इस्राइल दौरे के दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़े थे। तब से ही भारत-इस्राइल ने ज्ञान आधारित साझेदारी, अनुसंधान और नवाचार में सहयोग और मेक इन इंडिया पहल पर ध्यान केंद्रित किया है।

पूर्व इस्राइली पीएम नेतन्याहू के हटने के बाद संबंधों पर आशंका जताई जा रही थी:हालांकि, पूर्व इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के पद से हटने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को लेकर कई तरह की आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं।

लेकिन भारतीय विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान आपसी गर्मजोशी और शीर्ष नेतृत्व से लंबी बातचीत ने इन पर विराम लगा दिया है। बता दें कि जयशंकर पांच दिवसीय दौरे पर इस्राइल गए थे, जो समाप्त हो गया।

ग्लोबल वार्मिंग: अमेरिका ने 10 अन्य देशों के साथ भारत को 'चिंता के देश' की सूची में शामिल किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत और 10 अन्य देशों को जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला देश करार दिया है। अमेरिका ने एक सूची बनाई है जिसमें भारत और 10 अन्य देशों को 'चिंता के देश' के रूप में वर्गीकृत किया है।

अमेरिकी खुफिया समुदाय के आकलन के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग का सबसे ज्यादा खामियाजा इन देशों को भुगतना पड़ेगा। इन देशों में लगातार गर्म हवाओं की तीव्र लहरें चल सकती है, यहां के लोगों को सूखा और पानी-बिजली की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

10 अन्य देशों में शामिल हैं ये देश

भारत के अलावा सूची में शामिल अन्य देश अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला, हैती, होंडुरास, इराक, पाकिस्तान, निकारागुआ, कोलंबिया, म्यांमार और उत्तर कोरिया हैं। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि खुफिया समुदाय ने आकलन किया है कि 11 देशों को 'गर्म तापमान, मौसम में ज्यादा परिवर्तन और समुद्र के पैटर्न में व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है जिससे उनकी ऊर्जा, भोजन, पानी और

स्वास्थ्य सुरक्षा को खतरा होगा।'

जलवायु पर पहली बार राष्ट्रीय खुफिया अनुमान (एनआईई) को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के अमेरिकी कार्यालय द्वारा एक साथ रखा गया, जो 16 खुफिया एजेंसियों की देखरेख करता है।

इस रिपोर्ट को गुरुवार को जारी किया गया, जिसने जलवायु को लेकर चिंता के दो क्षेत्रों की भी पहचान की है और अफ्रीकी महाद्वीप के देशों का भी नाम दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'खुफिया समुदाय ने 11 देशों और दो क्षेत्रों की पहचान की है जो जलवायु परिवर्तन के खतरे से चिंतित हैं।' रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'इन देशों और क्षेत्रों में कठिनाइयों से जल्दी उबरने की क्षमता बढ़ने से संभवतः अमेरिकी हितों के लिए भविष्य के जोखिमों को कम करने में विशेष रूप से सहायक होगा।'

जलवायु परिवर्तन से बड़े स्तर पर बीमारी फैलने की आशंका

रिपोर्ट में कहा गया है कि ज्यादा गर्मी पड़ने और तीव्र चक्रवातों से जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना है। ऐसे में बीमारी से ग्रसित आबादी में बढ़ोतरी होगी, और वे लोग दूसरे लोगों में भी बीमारी फैलाएंगे। आगे कहा गया है कि प्रोजेक्शन मॉडल बताते हैं कि भारत, अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला, हैती, होंडुरास, इराक और पाकिस्तान में डेंगू की घटनाओं में वृद्धि होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत सहित इन 11 देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के लिए वित्तीय संसाधनों या शासन क्षमता की कमी है, इससे अस्थिरता-प्रेरित प्रवास और विस्थापन प्रवाह के जोखिम बढ़ेंगे। यह अमेरिका की दक्षिणी सीमा को भी प्रभावित कर सकता है इसलिए उन्हें पहले से ही उच्च स्तर की विदेशी सहायता और मानवीय सहयोग पहुंचाने की जरूरत है।

डब्लूएचओ ने की स्वास्थ्य कर्मियों के टीकाकरण की अपील, 1,15000 की हो चुकी है अब तक मौत

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनिया के सभी देशों से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए टीकाकरण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है, क्योंकि इसके एक नए पेपर में इस बात का अनुमान लगाया गया है कि जनवरी, 2020 और मई, 2021 के बीच कोरोना वायरस से 1,15,000 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि 119 देशों के आंकड़ों से पता चला है कि वैश्विक स्तर पर औसतन पांच में से दो स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी तरह से टीका लगाया जाता है, फिर भी अलग-अलग जगहों क्षेत्रों और विभिन्न आर्थिक समूहों में एक बहुत बड़ा अंतर देखा गया है।

उदाहरण के तौर पर स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों से पता चलता है कि अफ्रीका में दस में से एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता को कोरोना के दो टीके लगाए गए हैं, जबकि अधिकांश उच्च आय वाले देशों में 80 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्स (आईसीएन) के अनुसार, संगठन को भिन्न देशों की सरकारों ने सूचित किया था कि उक्त अवधि के दौरान कोरोना से संबंधित 7,000 से कम स्वास्थ्य कर्मियों की मौत हुई है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ और आईसीएन ने इस जानकारी का विश्लेषण किया और वैश्विक स्तर पर 1,15,000 स्वास्थ्य कर्मियों की मौत होने का अनुमान लगाया।

डॉ. टेड्रोस ने कहा,''प्रत्येक स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ उसकी कार्यबल होती है - ये वे लोग हैं, जो स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान करते हैं और जिन पर हम सभी अपने जीवन के किसी न किसी बिंदु पर भरोसा करते हैं। महामारी इस बात का सबूत है कि हम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर कितना भरोसा करते हैं और उस वक्त हम सभी खुद को कितना असुरक्षित महसूस करते हैं, जब हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले लोग स्वयं असुरक्षित होते हैं।

दुनिया भर में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए डब्ल्यूएचओ संगठन और उसके सहयोगियों ने सभी देशों से आह्वान किया है कि वे अपने यहां के स्वास्थ्य कर्मियों की अच्छी सेहत का ध्यान रखते हुए उन्हें कोरोना रोधी टीके लगाए जाने को सुनिश्चित करें।

आतंकी हमला:पाकिस्तान में फौज पर आतंकी हमला, 5 सैनिकों की मौत; तालिबान के पाकिस्तानी धड़े पर शक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में दरमियानी रात आतंकी हमला हुआ। इसमें पांच सैनिकों के मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला एक सर्च ऑपरेशन के दौरान हुआ और बाद में आतंकी फायरिंग करते हुए भागने में कामयाब हो गए। इस महीने इसी इलाके में यह चौथा हमला है।

माना जा रहा है कि पिछले हमलों की तरह यह हमला भी पाकिस्तान तालिबान ने ही किया है। तालिबान का इस इलाके में खासा दबदबा माना जाता है।

दो तरह से हुआ हमला

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में हुआ। यहां सैनिकों की एक यूनिट गश्त पर थी। इसी दौरान वहां IED ब्लास्ट हुआ। इसके बाद काफी देर तक फायरिंग होती रही। घटना में पांच सैनिकों

के मारे जाने की खबर है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेडरल कॉर्प्स के तीन और दो पुलिसकर्मी मारे गए हैं।

घटना के बाद आतंकियों और फौज के बीच काफी देर तक फायरिंग होती रही। इसका फायदा उठाकर आतंकी भाग निकले। सूचना मिलने के बाद सैनिकों की एक और टुकड़ी को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा

घटना के बाद पाकिस्तान सेना के एक कमांडो दस्ते को भी मौके पर भेजा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों को पहले से ही यह पता था कि फौज की यूनिट यहां से गुजरने वाली है। इसलिए वहां पहले ही बम प्लांट किया गया था। जैसे ही सैनिकों की टुकड़ी यहां से गुजरी, धमाका हो गया। इसके बाद सैनिकों पर फायरिंग भी की गई। हालांकि, घटनास्थल से किसी आतंकी का शव बरामद नहीं हुआ।

सार समाचार

किसानों के प्रदर्शनस्थल के नजदीक पोल्ट्री फार्म कर्मी से मारपीट, एक व्यक्ति गिरफ्तार

चंडीगढ़। दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शनस्थल के नजदीक मुर्गा देने से मना करने पर पोल्ट्री फार्म के कर्मी से मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी। हाल ही में इस प्रदर्शन स्थल के नजदीक एक व्यक्ति की नृशंस हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को घटना के कुछ घंटों बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी पहचान हरियाणा के करनाल निवासी नवीन के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार नवीनखुद को निहंग सिख बताता है। उल्लेखनीय है कि हाल में पंजाब के तरन-तारन के रहने वाले दलित मजदूर की सिंघू बॉर्डर के नजदीक नृशंस हत्या कर दी गई थी और उसके शव को धातु के अवरोधक से लटका दिया गया था और धारदार हथियार से उसका हाथ काट दिया गया था। लिंचिंग की इस घटना के आरोप में हरियाणा पुलिस ने चार निहंगों को गिरफ्तार किया है। नवीनतम घटना के बारे में पुलिस ने बताया कि मनोज पासवान डिलिवरी के लिए कुछ मुर्गे को ठेले पर लाद रहा था। उसी दौरान आरोपी ने उससे (पासवान से) मुर्गा देने को कहा और मना करने पर कथित तौर पर छड़ जैसी वस्तु से हमला कर दिया। सोनीपत जिले के कुंडली थाने के प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि इस घटना में पासवान का पैर टूट गया है।

जेएनयू छात्र शरजील इमाम को झटका, राजद्रोह मामले में कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नयी दिल्ली। दिल्ली दंगे के दौरान कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने और लोगों को हिंसा के लिए उकसाने को लेकर शरजील इमाम के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मामले में उन्हें जमानत देने से कोर्ट ने इंकार कर दिया। दरअसल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र शरजील इमाम ने 2019 में संशोधित नागरिकता कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी के खिलाफ लोगों को उकसाने वाला कथित बयान दिया था। पुलिस के मुताबिक शरजील इमाम का बयान 13 दिसंबर 2019 को कथित रूप से आया था। इसके परिणाम स्वरुप दिल्ली में 2 दिन बाद भी दंगे हुए थे। इस दौरान दक्षिणी दिल्ली के जामिया नगर इलाके में 3000 से अधिक लोगों की भीड़ में पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया था और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनुज अग्रवाल ने इमाम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। हालांकि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश यह भी कहा कि इन आरोपों को साबित करने के लिए साक्ष्य अपर्याप्त हैं कि इमाम के भाषण से दंगाई भड़क गए और इसके बाद उन्होंने लूटपाट की, उपद्रव मचाया और पुलिस दल पर हमला किया। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि भाषण को सरसरी तौर पर पढ़ने से लगता है कि स्पष्ट रूप से यह साम्प्रदायिक तर्ज पर दिया गया था। उन्होंने कहा कि इस भड़काऊ भाषण के लहजे और विषय वस्तु का सार्वजनिक शांति एवं सामाजिक सद्भाव को कमजोर करने वाला प्रभाव है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाषण एवं अभिव्यक्ति के मूलभूत अधिकार का इस्तेमाल साम्प्रदायिक शांति एवं सामाजिक सद्भावना की कीमत पर नहीं किया जा सकता। दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि इमाम ने सीएए और एनआरसी को लेकर लोगों के मन में निराधार भय पैदा करके केंद्र सरकार के खिलाफ एक ''विशेष धार्मिक समुदाय'' को उकसाया।

त्रिपुरा में चुनाव प्रचार के दौरान टीएमसी नेता सुष्मिता देव पर हुआ हमला, कार के साथ की गई तोड़फोड़

अगरतला। त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और सांसद सुष्मिता देव पर चुनाव प्रचार के दौरान हमला हुआ। उन्होंने कहा कि एक कार्यक्रम के दौरान कुछ गुंडों ने हमारी कारों पर हमला किया, उन्होंने हमारे कार्यकर्ताओं को पीटा। यह स्पष्ट है कि भाजपा भारतीय गुंडा पार्टी है। समाचार एजेंसी के मुताबिक टीएमसी नेता सुष्मिता देव ने कहा कि मुख्यमंत्री बिप्लब देब उन्हें सुरक्षा प्रदार कर रहे हैं, हमलावरों ने मुंह ढकने की भी जहमत नहीं उठाई। मुख्यमंत्री नाकारा हैं। आपको बता दें कि त्रिपुरा में सांसद सुष्मिता देव की गाड़ी पर भी हमला हुआ। इसके अलावा आईपैक के सदस्य भी जख्मी हो गए। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की संस्था आईपैक चुनाव में टीएमसी की मदद कर रही है। वहीं, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी भाजपा पर हमला बोला है।

गोवा में टीएमसी की तैयारी, ममता बनर्जी करेंगी राज्य का दौरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले सप्ताह गोवा के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगी। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चालीस सदस्यीय गोवा विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल की शुरुआत में होंगे। उन्होंने कहा, ''अपनी उत्तर बंगाल यात्रा से लौटने के बाद, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख 28 अक्टूबर को दो दिवसीय यात्रा पर गोवा के लिए रवाना होंगी। वह गोवा में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगी। हालांकि, उनके यात्रा कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।'' तृणमूल कांग्रेस, इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में अपनी शानदार जीत के बाद, राष्ट्रीय स्तर पर अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश कर रही है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित गोवा और त्रिपुरा में पैठ बनाने में लगी है। तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा, ''ममता दी शायद किसी गठबंधन के लिए छोटे दलों के कुछ नेताओं से मिलें, लेकिन वह उन्हें हमारी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी कर सकती हैं।'' भाजपा और कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई ने बनर्जी की यात्रा को लकर कटाक्ष किया और उनकी इस यात्रा को ''तटीय राज्य (गोवा) के राजनीतिक पर्यटन'' के रूप में बताया। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा, ''गोवा का मौसम अब पर्यटकों के लिए उपयुक्त है। वह वहां छुट्टियां मनाने जा रही हैं।''

भ्रष्टाचार और घोटालों को ही काम मानती है कांग्रेस: जयराम ठाकुर

रामपुर । (एजेंसी)।

कांग्रेस के नेता 70 साल से अधिक उम्र के लाखों लोगों के लिए पेंशन के प्रावधान, घर-घर चूल्हा देने और हिमकेयर योजना के तहत हुए लाखों लोगों के मुफ्त इलाज को काम नहीं मानते हैं। कांग्रेस के लिए लाखों करोड़ के घोटाले ही काम हैं। यह बात मुख्यमंत्री ने रामपुर में एक जनसभा में कही।

शुक्रवार को मंडी संसदीय क्षेत्र के रामपुर में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की जनसभा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर के लिए वोट मांगे। सीएम कांग्रेस पर भी हमलावर रहे। उन्होंने कहा कि मंडी संसदीय सीट से भाजपा ने पूर्व फौजी को टिकट दिया है, कांग्रेस इसे पचा नहीं पा रही। कांग्रेस के नेता कारगिल जैसे युद्ध को भी छोटा मानते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस के नेता कहते हैं कि सेना के जवानों का राजनीति में क्या काम। मुझे लगता है कि आज की राजनीति में ईमानदारी व निष्ठा से काम करने वालों की जरूरत है। एक फौजी से सच्चा व ईमानदार शख्स और कौन होगा? इसलिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर को टिकट दिया है।' रामपुर में बड़ी संख्या में जनसभा में पहुंचे लोगों का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'काम का सीजन है और ऐसे में आप लोग बड़ी संख्या में पहुंचे, इसके लिए धन्यवाद।' इस दौरान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में रामपुर सरकारी कार्यक्रम के तहत आना हुआ था। उस दौरान यहां जो बातें कही गई, उन्हें उपचुनाव के बाद जरूर पूरा किया जाएगा। सीएम ने कहा, कांग्रेस के नेता कहते हैं कि जो भी विकास हुआ है ये उन लोगों की देन है। तो कांग्रेस के नेताओं को यह भी स्वीकार करना चाहिए कि ये महंगाई किसकी देन है। आज प्रदेश में हमारी सरकार को बने हुए तीन साल से ज्यादा का वक्त हुआ है। कांग्रेसी कहते हैं कि बेरोजगारी और महंगाई बहुत बढ़ गई है। इतने साल तक वो लोग सत्ता में रहे, उन्होंने बेरोजगारी और महंगाई को लेकर क्या किया। मुख्यमंत्री ने कहा कांग्रेस के लोग कहते हैं कि हिमाचल में सरकार ने कोई काम नहीं किया। हमने हिमाचल में चार लाख से ज्यादा 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए पेंशन का प्रावधान किया। घर-घर चूल्हा पहुंचाया। हिमकेयर योजना के तहत लाखों लोगों का मुफ्त इलाज हुआ। कांग्रेस के लोग इसको काम नहीं मानते। कांग्रेस के लोग तो एक लाख 76 हजार करोड़, एक लाख 86 हजार करोड़ के घोटालों को ही काम मानते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि आज हम आप लोगों के बीच सहयोग मांगने आए हैं। आज देश मजबूत हाथों में है, इसे और मजबूती देने के लिए आप ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर को जिताकर दिल्ली भेजिए।

मुंबई की इमारत में लगी आग, 19वीं मंजिल से गिरकर सुरक्षा गार्ड की मौत

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई में शुक्रवार को 61 मंजिला एक आवासीय इमारत की 19वीं मंजिल पर आग लगने के बाद एक फ्लैट से एक सुरक्षा गार्ड नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें व्यक्ति को गिरने से पहले बालकनी से लटका हुआ देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि करी रोड पर 'वन अविघ्न पार्क' नामक इमारत की 19वीं मंजिल पर मध्याह्न से पहले आग लगी। अधिकारी ने कहा, 'आग लगने के बाद इमारत का एक सुरक्षा गार्ड अरुण तिवारी (30) 19वीं मंजिल पर गया। उसे जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह फंस गया है और आग से बचने के लिए वह फ्लैट की बालकनी से लटक गया। वह कई मिनट तक बालकनी की रेलिंग पकड़े रहा लेकिन अंततः वह गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।' उन्होंने कहा कि तिवारी के गिरने के बाद उसे केईएम अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत अवस्था में लाया गया घोषित कर दिया गया। अग्निशमन विभाग ने इसे 'स्तर-चार' की आग घोषित किया है। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि चार घंटे की मशक्कत के बाद शाम चार बजकर 20 मिनट पर आग पर काबू पाया जा सका। महानगर पालिका आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने संवाददाताओं से कहा कि घटना की जांच की जाएगी। मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि यदि इमारत में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों को उचित प्रशिक्षण दिया गया होता तो तिवारी का जीवन बचाया जा सकता था।

योगी ने कहा, गांव-गांव में जाकर यह बताएं 2022 में बीजेपी की सरकार क्यों है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। इन सब के बीच आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव-गांव में जाकर बताने की आवश्यकता है कि 2022 में बीजेपी की सरकार क्यों जरूरी है क्योंकि बीजेपी की सरकार रहेगी तो कोई गुंडा, माफिया जबरन किसी की संपत्ति पर कब्जा करने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा और अगर करेगा तो उसकी छाती पर प्रदेश सरकार का बुलडोजर चलता हुआ दिखाई देगा। अपने संबोधन में योगी ने कहा कि 2014 के पहले देश की स्थिति क्या थी, व्यापक असंतोष था, अविश्वास था, रोज एक नया घोटाला आ जाता था। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए की सरकार देश की कीमत पर राजनीति कर रही थी।

योगी ने कहा कि देश की बाह्य सुरक्षा भी खतरे में थी और आंतरिक सुरक्षा भी खतरे में थी। बाह्य सुरक्षा के मोर्चे पर कभी चीन तो कभी पाकिस्तान भारत की सीमाओं में घुसपैठ करता था और जब कहीं इसकी आवाज उठती थी तो कांग्रेस नेतृत्व की सरकार कहती थी कि चुप हो जाओ मत बोलना हैं। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा की स्थिति यह थी कि जगह-जगह आतंकवाद सिर चढ़के बोलता था। कहीं आतंकवाद, कहीं नक्सलवाद, कहीं अराजकता थी। और सपा सरकार के समय तो आंतकवादियों ने तो मध्य काल की याद ताजा कर दी थी, मंदिरों और मठों पर हमले होते थे। हिंदू समाज की भावनाओं को कुठाराघात करके रौंदा जाता था और ये दृश्य कहीं देखने को मिल रहा था तो वो सपा सरकार के समय देखने को मिल रहा था। थाने-तहसीलें बिक चुकी थीं, गिरवी रख दी गयी थीं। सपा और बसपा कार्यकर्ता, उनकी सरकार में केवल लूट मचाए हुए थे।

सपा पर हमला

यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार के समय इन आतंकवादियों के मुकदमें वापस होते थे। हिंदुओं पर झूठे मुकदमें दर्ज होते थे। रामभक्तों पर गोली चलाई जाती थी और आतंकवादियों की आरती उतारी जाती थी। जब सपा-बसपा और कांग्रेस की सरकार बनती है तो उनको अपने-अपने परिवार से फुर्सत नहीं होती है। वो आतंकवादियों के लिए काम करते हैं जो 2012 में सपा ने करके दिखाया था। पिछली सरकारें आतंकियों के लिए काम करती थीं, भाजपा सरकार जनता के लिए समर्पित रह कर काम करती है।

महबूबा ने अपने खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सत्यपाल मलिक को कानूनी नोटिस भेजा

श्रीनगर (एजेंसी)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को उनके खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें शुक्रवार को एक कानूनी नोटिस भेज कर 10 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की। मलिक वर्तमान में मेघालय के राज्यपाल हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले कथित तौर पर कहा था कि महबूबा मुफ्ती को रोशनी योजना का लाभ मिला था, जिसका लक्ष्य राज्य सरकार की जमीन के कब्जेदार को शुल्क के एवज में मालिकाना हक देना था। महबूबा के वकील अनिल सेठी ने कानूनी नोटिस में लिखा है, ''मेरी मुवक्किल की प्रतिष्ठा को पहुंचे नुकसान की भरपाई कोई रकम नहीं कर सकती, फिर भी मेरी मुवक्किल ने मुआवजा के लिए आप पर मुकदमा करने का फैसला किया है।''

नोटिस में मलिक से मुआवजे के तौर पर 30 दिनों के अंदर 10 करोड़ रुपये अदा करने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने को कहा गया है। इसमें कहा गया है कि मुआवजे की राशि का इस्तेमाल महबूबा द्वारा कोई निजी फायदे के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक भलाई के लिए की जाएगी। इससे पहले बुधवार को महबूबा ने मलिक से अपनी टिप्पणी वापस लेने को कहा था। पीडीपी प्रमुख ने दो दिन पहले ट्वीट किया था, ''उनके पास अपनी टिप्पणी वापस लेने का विकल्प है, जिसमें नाकाम रहने पर मैं कानून का सहारा लूंगी।''

बिहार में महागठबंधन में दरार, 2024 में सभी लोकसभा सीटों पर अकेले लड़ेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में महागठबंधन का कुनबा पूरी तरह से बिखरता नजर आ रहा है। 2 सीटों पर जारी उपचुनाव के बीच कांग्रेस और राजद के बीच तकरार अब चरम पर है। भले ही राहुल गांधी की ओर से लालू यादव के साथ एक हंसता खिलखिलाते फोटो साझा कर संदेश देने की कोशिश जरूर की गई थी। लेकिन बात बनती दिखाई नहीं दे रही है। पटना पहुंचते ही बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास ने बयान देते हुए कहा कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव अकेले 40 सीटों पर पूरी ताकत से लड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने राजद पर साथ नहीं देने का आरोप लगाया।

भक्त चरण दास का बयान

मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए भक्त चरण दास ने यह स्पष्ट कर दिया कि बिहार में 2 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी पूरी तरीके से दम लगा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटों पर अकेले लड़ेगी। बिहार में गठबंधन के टूटने पर उन्होंने आरजेडी को इसका जिम्मेदार बताया। राजद पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि इसी कारण पार्टी को बड़ा फैसला लेना पड़ा।

मनोज झा का पलटवार

भक्त चरण दास के बयान पर राजद प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने पलटवार किया है। मनोज झा ने कहा कि भक्त चरण दास अब संघी हो गए हैं। संघ के इशारे पर चल रहे हैं। इसके साथ ही भारत चरण दास ने कहा कि वह क्या कह रहे हैं। हम नहीं जानते लेकिन हम इतना जरुर जानते हैं कि हमने गठबंधन नहीं तोड़ा है।

2 सीटों पर उपचुनाव

बिहार के कुशेश्वरस्थान और तारापुर सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। एनडीए पूरे दमखम के साथ इस उपचुनाव लड़ रहा है। दोनों ही सीटों पर जदयू ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वही, महागठबंधन में टूट दिखाई दिया। राजद और कांग्रेस ने अलग-अलग उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस एक सीट पर दावा ठोक रही थी। लेकिन राजद की ओर से वह सीट उसे लड़ने के लिए नहीं दिया गया जिसके बाद कांग्रेस ने दोनों ही सीटों पर अपने अपने उम्मीदवार उतार दिए।

वसुंधरा राजे ने तोड़ी चुप्पी, कहा- अगला सीएम वही होगा जिसे जनता पसंद करेगी

जोधपुर (राजस्थान) (एजेंसी)।

राजस्थान कांग्रेस में एक ओर जहां गुटबाजी और अंतरकलह है तो वहीं भाजपा में भी यह निरंतर जारी है। राजस्थान में भाजपा भी दो गुटों में बंटी है। एक ओर जहां प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का गुट है तो वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का। दोनों खेमा लगातार एक दूसरे पर वार-पलटवार करता रहता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वसुंधरा समर्थक लगातार पूर्व मुख्यमंत्री को हाशिए पर रखे जाने को लेकर नाराज हैं। हालांकि वसुंधरा ने अब तक कुछ नहीं कहा है। लेकिन उनके समर्थक लगातार यह दावा करते हैं कि वसुंधरा राजे ही भाजपा को राजस्थान में सत्ता में ला सकती हैं।

सतीश पूनिया भी वसुंधरा समर्थकों पर लगातार आक्रमक रहे हैं। माना जाता है कि वसुंधरा लगातार मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा करती रहती हैं। इन सब के बीच राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर वसुंधरा राजे ने बड़ा बयान दिया है। वसुंधरा राजे ने कहा कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसे जनता पसंद करेगी। उनसे सवाल किया गया था कि क्या वह अगला मुख्यमंत्री बनेंगी इसपर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चाहने से नहीं होता। जनता क्या चाहती है, वह अधिक महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि सभी समुदाय प्रेम पाने के अधिकारी हैं और सिर्फ वही व्यक्ति शासन कर सकता है जिसे बदले में सभी का प्यार मिल रहा हो। कांग्रेस को ''डूबता हुआ जहाज'' बताते हुए राजे ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ दल की स्थिति और अंदरूनी लड़ाई देखकर उन्हें ऐसा ही लग रहा है।

राजे ने शुक्रवार को दिन में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से सर्किट हाउस में मुलाकात की और उनसे राजस्थान विधानसभा और लोकसभा में अगले चुनावों की तैयारियां करने को कहा। उन्होंने कहा, ''मैंने सभी कार्यकर्ताओं से तैयार रहने को कहा, क्योंकि 2023 (राजस्थान विधानसभा) और 2024 (लोकसभा) चुनावों के लिए बिगुल बजने वाला है। मैंने उनसे पूरी ताकत के साथ सामने आने को कहा है।'' राजे केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मां और पूर्व राज्य मंत्री महिपाल मदेरणा के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बृहस्पतिवार को दो दिन के लिए जोधपुर आयीं।

हमें चीन के साथ सीमा वार्ता के हर दौर में अनुकूल परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए : सेना प्रमुख

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को सीमा मुद्दों को सुलझाने के लिए चीन के साथ होने वाली हर दौर की बातचीत में अनुकूल परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

जनरल नरवणे ने कहा, ''(सीमा वार्ता के दौरान भारत और चीन के बीच) टकराव वाले के 4-5 बिंदु थे और हमने एक को छोड़कर सभी को हल कर लिया है। मुझे यकीन है कि वार्ता के कुछ और दौर में - मैं एक निश्चित आंकड़ा नहीं दे सकता कि एक और या दो और, हम आगे बढ़ने पर इन मुद्दों को भी हल करने में सक्षम होंगे।'' इस महीने की शुरुआत में, भारत और चीन 13वें दौर की सैन्य वार्ता के दौरान पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले शेष बिंदुओं में 17 महीने के गतिरोध को हल करने में कोई प्रगति करने में विफल रहे। यहां एक रक्षा सम्मेलन में सेना प्रमुख ने कहा कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख सीमा पर स्थिति लगभग एक साल पहले की तुलना में अब बेहतर और अधिक स्थिर है। उन्होंने कहा, ''भारत और चीन के बीच कई दौर की बातचीत हुई है और उन वार्ताओं के परिणामस्वरूप, हम काफी हद तक सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया के संबंध में सहमति बनाने में सफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं जो कहना चाहता हूं, वह यह है कि हमें हर दौर की बातचीत में अनुकूल परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। हमेशा ही कुछ बातों पर सहमति बनती है तो कुछ पर मतभेद होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब तक हम बात करते रहेंगे, हम उन मतभेदों को दूर करने में सक्षम होंगे तथा एक-दूसरे करीब करीब आएंगे और सभी मुद्दों को हल करेंगे।'' जनरल नरवणे ने कहा कि चीन के साथ बातचीत राजनीतिक स्तर पर, राजनयिक स्तर पर और सैन्य स्तर पर हो रही है। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि हम एक संतोषजनक संकल्प के साथ आने में सक्षम होंगे। और जब मैं संतोषजनक कहता हूं, तो यह दोनों पक्षों के लिए संतोषजनक होना चाहिए और मुझे विश्वास है कि ऐसा जल्द ही होगा।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सेना एक पल के लिए भी अपनी निगरानी और सुरक्षा को कम नहीं कर रही है या यह कल्पना नहीं कर रही है कि भविष्य में हालात और खराब नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, ''हमेशा यह उम्मीद है कि सभी मतभेदों को बातचीत और चर्चा के माध्यम से हल किया जा सकता है, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम हमेशा अपनी सीमाओं की रक्षा करने और अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

मुंबई : 60 मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग, एक की मौत

मुम्बई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की एक 60 मंजिला इमारत में शुक्रवार को आग लग गई। कर्री रोड पर स्थित अविघ्न पार्क इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे हैं। इस बीच एक शख्स की 19वीं मंजिल से कूदने से मौत होने की भी खबर है। कहा जा रहा है कि आग लगने से दहशत में आए शख्स ने 19वीं मंजिल से छलांग दी, जिसमें उसकी मौत हो गई। 30 वर्षीय युवक को तत्काल केईएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा एक अन्य घायल शख्स को अस्पताल में इलाज के लिए एडमिट कराया गया है। फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक अरुण तिवारी बिल्डिंग में ही सुरक्षा गार्ड के तौर पर तैनात थे। इमारत की 19वीं मंजिल में आग लगी तो वह भागकर वहीं पहुंच गया। कुछ देर में उसे अंदाजा हुआ कि वह फंस गया है और फिर खुद को आग से बचाने के लिए वह बालकनी पर लटक गया

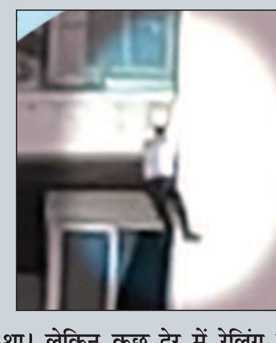

था। लेकिन कुछ देर में रेलिंग पर उसकी पकड़ ढीली हो गई और वह नीचे गिर गया। जमीन पर गिरते ही तिवारी को केईएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहर की मेयर किशोरी पेडनेकर ने बताया कि अब भी दो लोग इमारत में फंसे हुए हैं, जबकि अन्य लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। रिपोर्टर्स से बात करते हुए म्युनिसिपल कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और फिलहाल कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है। आग लगने की यह घटना कैसे हुई, इसकी जांच के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। बचावकर्मियों की ओर से लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुंबई पुलिस और फायर ब्रिगेड की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक यह आग दोपहर के 12 बजे के करीब लगी थी। इसे बुझाने के लिए एक दर्जन से ज्यादा फायर टेंडर्स, 5 जम्बो टैंकर मौके पर पहुंचे थे। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव कार्य की निगरानी कर रही हैं। करीब दो दर्जन दमकल वाहनों को आग बुझाने के काम में लगाया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है।

संक्षिप्त खबरें

मायावती ने बसपा से पांचवां उम्मीदवार घोषित किया

लखनऊ। बसपा ने लखनऊ बख्शी का तालाब विधानसभा सीट से सलाहुद्दीन सिद्दीकी को प्रभारी उम्मीदवार घोषित किया है। बसपा इसके पहले लखनऊ के चार विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। लखनऊ के पैकरामऊ लॉन कुर्सी रोड पर आयोजित एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में यह घोषणा की गई। इसके पहले मोहनलालगंज से देवेंद्र कुमार पासी, लखनऊ उत्तर से सरवर मलिक, लखनऊ पश्चिम से कायम रजा और सरोजनी नगर से जलीस खान को उम्मीदवार घोषित किया जा चुका है। मुख्य सेक्टर प्रभारी भीमराव अंबेडकर, नौशाद अली और लखनऊ के जिला अयक्ष अखिलेश अंबेडकर ने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए पूरी मुस्तैदी से जुटना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लोगों से संपर्क करें और बसपा सरकार में किए गए कामों के बारे में जानकारी दें। उन्हें बताएं कि बसपा सरकार में कानून-व्यवस्था की स्थिति काफी बेहतर थी और सभी वर्गों के लिए काम हुआ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा सरकार पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था काफी खराब है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग रहे हैं।मायावती ने ट्वीट कर कहा कि आगरा में पुलिस कस्टडी में सफाई कर्मी की हुई मौत की घटना अति दुखद है। इस घटना के संबंध में गयाचरण दिनकर के नेतृत्व में बसपा का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को आगरा जाकर घटना के दोषियों को सजा व पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने आदि को लेकर पीड़ित परिवार व प्रशासन से मिला।

कांग्रेस को एक और झटका

ओडिशा के कार्यकारी अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी, बोले: पार्टी में उत्साह की बड़ी कमी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा अलग पार्टी बनाने की घोषणा के बाद अब ओडिशा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप माझी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कहा है कि अब पार्टी में उस्ताह की भारी कमी है, इसलिए मैं बेहद दुख और दर्द के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। ओडिशा के बड़े आदिवासी नेताओं में से एक प्रदीप माझी ने सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि वह पार्टी में रहकर ही लोगों की सेवा करना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने गलत फैसलों के कारण लोगों का भरोसा खो दिया है। उस भरोसे को वापस हासिल करने के लिए अब काफी लंबा वक्त लगेगा। उन्होंने सोनिया गांधी के नेतृत्व की तारीफ की तो स्थानीय स्तर के नेतृत्व को नाकाम करार दिया।

प्रदीप माझी के करीबी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस छोड़ने के बाद वह जल्द ही बीजू जनता दल में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इसी महीने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक नबरंगपुर का दौरा कर सकते हैं। इसी दौरान प्रदीप माझी बीजेडी में शामिल हो सकते हैं। वह 2009 में कांग्रेस के टिकट से लोकसभा सांसद बने थे, लेकिन इसके बाद लागतार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। ओडिशा में अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं। इससे पहले प्रदीप माझी का पार्टी से इस्तीफा पार्टी के लिए बड़ा झटका है। दरअसल, माझी का आदिवासी समुदाय के बीच अच्छा प्रभाव माना जाता है।

पीडीपी ने सत्यपाल मलिक को भेजा कानूनी नोटिस

जम्मू-कश्मीर: महबूबा मुफ्ती पर लगाए थे कानून के दुरुपयोग के आरोप

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती पर मानहानि के आरोप लगाने के लिए पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को कानूनी नोटिस जारी किया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सत्यपाल मलिक ने अपने एक बयान में कहा था कि 2001 में आए रोशनी एक्ट का फायदा महबूबा मुफ्ती ने भी लिया था। उन्होंने कहा था कि इस कानून के तहत सरकारी जमीन पर कब्जा रखने वाले लोगों को उसका मालिकाना हक दिया गया था। सत्यपाल मलिक ने कहा था कि इस कानून का फायदा उठाते हुए

महबूबा मुफ्ती ने भी अपने नाम पर जमीन ट्रांसफर करा ली थी। इससे पहले महबूबा ने कहा था कि मुझे रोशनी अधिनियम का लाभार्थी कहने वाले सत्यपाल मलिक का बयान पूरी तरह से गलत और बेतुका है। मेरी कानूनी टीम उन पर मुकदमा करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उनके पास अपनी टिप्पणी वापस लेने का विकल्प है, ऐसा नहीं करने पर मैं कानूनी सहारा लूंगी। जिसके बाद अब महबूबा ने सत्यपाल मलिक को कानूनी नोटिस जारी कर दिया है। रोशनी अधिनियम को फारूक अब्दुल्ला सरकार द्वारा लाया गया था। हालांकि, जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय द्वारा इसे अवैध घोषित करने के बाद योजना को भंग कर दिया गया था और सीबीआई को योजना के लाभार्थियों की जांच करने का निर्देश दिया था।

उत्तराखंड : कुमाऊं मंडल में फंसे 700 से अधिक पर्यटक

कई गांव का संपर्क नैनीताल से कटा

हल्द्वानी। उत्तराखंड में तीन दिन की मूसलाधार बारिश के कारण आई आपदो में बंद हुए रास्ते भले ही अब खुलने लगे हैं लेकिन कुमाऊं मंडल में अब भी 700 से ज्यादा पर्यटक अलग-अलग कारणों से फंसे हुए हैं। इनमें चार विदेशी पर्यटकों के फंसे होने की बात कही जा रही है। नैनीताल जिले में अब भी 165 से ज्यादो पर्यटक फंसे जिला पुलिस ने बृहस्पतिवार को ऐसे 40 पर्यटकों को बाहर निकाला। कुछ पर्यटकों की गाड़ी का तेल खत्म हो गया था। कुछ पर्यटक पैदल ही निकलने की कोशिश कर रहे हैं। तीन दिन तक हुई मूसलाधार बारिश से जिले में अलग-अलग जगह पर्यटक फंस गए थे। हालांकि पुलिस और प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य कर कई जगह से पर्यटकों को निकाल लिया। बुधवार और बृहस्पतिवार को मौसम साफ होने और कई मार्गों के खुल जाने से

पर्यटकों को निकालने का काम शुरू हुआ। एसपी सर्वेश पवार ने बताया कि एसडीएम से संपर्क कर पर्यटकों की गाड़ी में तेल भरवाया गया। पुलिस के अनुसार रामगढ़ में फंसे लोगों को भी पुलिस लगातार निकाल रही है। बीमार लोगों का इलाज भी चल रहा है। सूत्रों के अनुसार चार विदेशी भी फंसे हुए हैं। वे अपने देश जाना चाहते हैं। बागेश्वर जिले में करीब 400 से ज्यादा पर्यटक अब भी फंसे हुए हैं। रानीकोटा-देवीपुरा सौड़ मोटर मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त होने से कोटाबाग ब्लॉक के 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का संपर्क कोटाबाग और नैनीताल से कट गया है।

मुलायम-अखिलेश पर सीएम का करारा हमला

बोले: सपा सरकार में आतंकवादियों की आरती उतारी जाती थी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर करारा प्रहार किया और कहा कि सपा सरकार में हिंदुओं पर झूठे मुकदमे दर्ज होते थे। राम भक्तों पर गोली चलवाई जाती थी और आतंकवादियों की आरती उतारी जाती थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पिछड़ा मोर्चा द्वारा आज यहां आयोजित 'सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन' में चौहान समाज के लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो सबसे पहला काम किसानों की कर्जमाफी का हुआ लेकिन 2012 में सपा की सरकार का सबसे पहला निर्णय आतंकवादियों से मुकदमा वापस लेने का था। उन्होंने कहा कि जब सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार होती है तो उनको अपने परिवार से फुर्सत नहीं होती, वे आतंकवादियों के लिए काम करते हैं जो सपा की सरकार ने 2012 में करके दिखाया था। आतंकवाद की जड़ 1952 में कांग्रेस ने धारा 370 के रूप में जम्मू कश्मीर में रोपी थी।" योगी ने कहा कि सपा की सरकार में मध्यकाल की याद ताजा हो गई थी जब मंदिरों और मठों पर हमले होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के

कार्यकर्ता थानों, तहसीलों में लूट मचाते थे और थाने, तहसील बिक चुके थे। राज्य में अगले वर्ष की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के पक्ष में लोगों को जागरूक करने की अपील करते हुए योगी ने कहा कि गांव-गांव में जाकर अलख जगाने की आवश्यकता है कि भाजपा की सरकार क्यों जरूरी है। भाजपा की सरकार रहेगी तो प्रदेश में कोई दंगा करने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा, कोई माफिया जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा और अगर करेगा तो उसकी छाती पर प्रदेश सरकार का बुल्डोजर चलता दिखाई देगा। उन्होंने चौहान समाज के लोगों से कहा कि आजादी के बाद उनके समाज से कोई राज्यपाल क्यों नहीं बन पाया और फागू चौहान भाजपा की सरकार बनने के बाद चौहान समाज से पहले राज्यपाल बने। उन्होंने कहा कि दारा सिंह चौहान पिछले साढ़े चार वर्ष से मंत्री बनकर अनवरत कार्य कर रहे हैं और समाज के प्रभुनाथ चौहान को पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया। योगी ने पिछली सरकारों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा क्यों नहीं मिल पा रहा था क्योंकि पिछली सरकारों की नीयत खराब थी। वे नहीं चाहती थीं कि दलित, पिछड़े और गरीब को सुख सुविधा मिले। पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि हर घर में रसोई गैस हो, हर घर में बिजली हो, इन लोगों ने हर घर में बीमारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के आजमगढ़ से सांसद रहते हुए विकास का कोई कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि क्या 1990 में भाजपा की सरकार होती तो रामभक्तों पर गोलियां चलतीं। जिन लोगों ने राम भक्तों पर गोली चलवाई क्या उन्हें आप माफ कर देंगे, भगवान राम माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हमें गौरव की अनुभूति कराने वाला क्षण है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनना 135 करोड़ भारतीयों के दुनिया के सामने सिर उठाने का अवसर है।

शामली में : नहर में गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत

शामली। जनपद में गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के गांव धनेना में दो मासूम बच्चों की नहर में गिरने से मौत हो गई। दोनों बच्चे गुरुवार शाम से लापता थे। परिजन कल से ही उनकी तलाश कर रहे थे। वहीं शुक्रवार को दोनों के शव नहर की झाल में फंसे मिले। धनेना निवासी कंवरपाल का साते वर्षीय पुत्र हिमांशु व जगपाल का आठ वर्षीय पुत्र राम भरोसे गुरुवार की शाम गांव के अन्य बच्चों के साथ नहर के पास घूमने गए थे। देर शाम तक जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश की। अन्य बच्चों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह नहर की झाल के पास गए थे। जिस पर

परिजनों ने देर रात झाल पर बच्चों की तलाश की। वहीं सुबह दोनों बच्चों के शव झाल में फंसे दिखे। सूचना पर पहुंचे एसआई कमल किशोर, दीवान परविंदर सिंह व गुलफाम ने ग्रामीणों की मदद से बच्चों को नहर से बाहर निकलवाया। बच्चों को मृत देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर गढ़ी पुख्ता पुलिस भी मौके पर पहुंची। उधर, परिजनों ने किसी भी कार्रवाई से इनकार करते हुए बिना पोस्टमार्टम शव अपने साथ ले गए।

नारनौल। खाद की किल्लत से परेशान किसानों का सब्र जवाब दे रहा है। नारनौल के नांगल चौधरी में शुक्रवार को किसानों ने जाम लगा दिया। जाम की सूचना के बाद समझाने आई पुलिस पर किसानों ने हमला कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस के 112 नंबर वाहन को पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

राहुल गांधी के करीबी हरीश चौधरी को मिली पंजाब की कमान, संभाल पाएंगे सिद्धू और चन्नी की रार?

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने हरीश रावत की जगह एक बार फिर हरीश चौधरी को पंजाब और चंडीगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया है। तत्काल प्रभाव से उनका कार्यकाल शुरू हो गया है। चौधरी पंजाब कांग्रेस में आंतरिक कलह के दौरान काफी सक्रिय थे और राहुल गांधी के साथ मसले को सुलझाने में जुटे हुए थे। राजस्थान के राजस्व मंत्री हरीश चौधरी के लिए राह आसान नहीं होने वाली है। राहुल गांधी के करीबी बताए जाने वाले हरीश चौधरी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय पर दी गई है जब पंजाब में कांग्रेस पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही है। कैप्टन अमरिंदर सिंह से टकराव के बाद प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए नवजोत सिंह सिद्धू नए मुख्यमंत्री चरणजीत

सिंह चन्नी से भी नाराज बताए जा रहे हैं। हरीश चौधरी ने हाल में पंजाब कांग्रेस में मची कलह के दौरान राहुल गांधी और प्रदेश के नेताओं के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। पूर्व महासचिव और 2017 विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब मामलों के प्रभारी रह चुके चौधरी ने पिछले कुछ दिनों में सिद्धू और चन्नी के बीच मतभेद कम करने में भूमिका निभाई है। बताया जाता है कि चौधरी ने कैप्टन को हटाने के लिए जमीन तैयार की थी। हालांकि, खुद उन्होंने इसे बेबुनियाद बताते हुए कहा था कि पंजाब कांग्रेस में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड चुनाव में व्यस्तता की वजह से हरीश रावत को पंजाब प्रभारी की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रभारी पद से भी उन्हें हटाया गया है। हालांकि उन्हें कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाए रखा गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हरीश चौधरी की नियुक्ति की। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि पार्टी, महासचिव के तौर रावत के योगदान की सराहना करती है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com